लखनऊ

गुरुवार, 2 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 305

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जिंदगी में कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है, और कुछ खोने के लिए बहुत कुछ पाना पड़ता है।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

कांग्रेस और एनसीपी के बीच विलय को लेकर बातचीत जारी, शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर चल रहा मंथन

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सियासत से एक बड़ी खबर रही है। सूत्रों के मुताबिक शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस के बीच एक बार फिर विलय को लेकर उच्च स्तरीय बातचीत शुरू हो गई है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर यह बातचीत किसी ठोस नतीजे पर पहुंचती है, तो महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि देश की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक विलय को लेकर चल रही यह बातचीत फिलहाल महाराष्ट्र की प्रादेशिक इकाई तक ही सीमित है। एनसीपी इस वक्त विलय की संभावनाओं और इसके नफा-नुकसान को लेकर अपनी पार्टी के भीतर अंदरुनी मंथन कर रही है। पार्टी के बड़े नेता और पदाधिकारी पार्टी कार्यकर्ताओं की राय जानने की कोशिश में जुटे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब दोनों दलों के एक होने की खबरें आ रही हैं। सूत्रों का कहाना है कि हाल ही में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले भी कांग्रेस और एनसीपी के विलय को लेकर दोनों पार्टियों के बड़े नेताओं के बीच गंभीर बातचीत हुई थी। हालांकि, उस वक्त कुछ राजनीतिक कारणों और मतभेदों की वजह से बात आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके ठीक बाद राज्य में चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया और विधानसभा चुनाव की व्यस्तताओं के चलते यह विषय ठंडे बस्ते में चला गया था।

दिल्ली को नई कनेक्टिविटी की सौगात और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से विकास को रफ्तार... मोदी कैबिनेट के 2 बड़े फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी कैबिनेट में बुधवार को दो बड़े फैसले लिए हैं। पहला फैसला दिल्ली को लेकर है। जबकि दूसरे प्रोजेक्ट में यूपी के बुंदेलखंड को बड़ी सौगात मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहला प्रोजेक्ट 6-लेन द्वारका टनल है। इसकी लागत 6970 करोड़ आएगी ।यह दिल्ली के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। 8 किलोमीटर लंबी यह टनल पुरानी मांग को पूरा करेगी। यह बिल्कुल नया कॉरिडोर बन जाएगा। सारा काम 'रिज' को नुकसान पहुंचाए बिना किया जाना चाहिए। टनल का निर्माण इसके नीचे इस तरह किया जाना चाहिए कि इसे कोई नुकसान न पहुंचे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दूसरा प्रोजेक्ट यूपी के बुंदेलखंड इलाके को जोड़ता है। यह कानपुर से भोपाल के बीच के हिस्से को कवर करता है। आज जिस हिस्से को मंजूरी मिली है, वह कानपुर से कबराई तक 242 किलोमीटर लंबा है। यह रूट कानपुर से हमीरपुर, फिर कबराई, महोबा और आगे भोपाल तक जाता है। यह अलाइनमेंट एक मुख्य रूट है और बुंदेलखंड इलाके के कई हिस्सों को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह कानपुर से भोपाल की ओर ट्रैफिक के नैचुरल फ्लो को आसान बनाएगा। यह एक्सप्रेसवे की तरह ही एक एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे होगा। इसका निर्माण 2।5 साल में पूरा हो जाएगा और यह कानपुर, हमीरपुर और महोबा को कवर करेगा। इसे BOT (बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर) टोल मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। इसके दो हिस्से ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड होंगे।

'डिजिटल इंडिया' के 11 साल

दुनिया में भारत को मिली नई पहचान, एआई और डिजिटल क्रांति से खुल रहे नए अवसर: पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'डिजिटल इंडिया' पहल के 11 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के डिजिटल परिवर्तन का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने शासन व्यवस्था को आधुनिक बनाया, नागरिकों को सशक्त किया और देश के समग्र विकास को नई दिशा दी है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा संदेश में कहा कि पिछले 11 वर्षों में डिजिटल इंडिया ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उनके अनुसार तकनीक अब केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रभावी शक्ति बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल भुगतान प्रणाली, लाभार्थियों तक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) और लगातार मजबूत हो रहे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और सुलभ बनाया है। इससे करोड़ों नागरिकों तक योजनाओं का लाभ आसान तरीके से पहुंचा है।

गांवों और छोटे शहरों तक पहुंची तकनीकी क्रांति

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया ने नवाचार की संस्कृति को देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों, गांवों और टियर-2 एवं टियर-3 शहरों तक पहुंचाया है। आज इन क्षेत्रों के युवा उद्यमी, स्टार्टअप और इनोवेटर्स वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में बढ़ा डिजिटल उपयोग

प्रधानमंत्री के अनुसार इस पहल ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि, व्यापार और सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में डिजिटल तकनीकों के उपयोग को मजबूत किया है। इससे आम नागरिकों के लिए सेवाओं की उपलब्धता पहले की तुलना में अधिक आसान और प्रभावी हुई है।

एआई, सेमीकंडक्टर और क्वांटम टेक्नोलॉजी पर फोकस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार की डिजिटल नीति के कारण भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने एसआईटी जांच की समय-सीमा बढ़ाई, 15 जुलाई तक सौंपनी होगी रिपोर्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच कर रहे विशेष जांच दल (SIT) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। इस मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने अब एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि 15 जुलाई एसआईटी अपनी रिपोर्ट में कुछ और नाम शामिल कर सकती है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर विशेष जांच दल (SIT) का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले पर पूरी तरह से नजरे बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि SIT द्वारा इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी किया जाएगा। इस प्रकरण में शामिल लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। लखनऊ के डिविजनल कमिश्नर और SIT के प्रमुख विजय विश्वास पंत ने 23 जून को गृह विभाग को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सौंपी, जिसमें उन्होंने कड़े सुझाव दिए। इन सुझावों के आधार पर, ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की लिखित शिकायत के बाद 25 जून को श्री राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन में पहली FIR दर्ज की गई। जिसमें 8 नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया था।

तीन करोड़ की रिश्वत ने पहुंचाया जेल: आईपीएस अफसर को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 3 करोड़ रुपये की कथित रिश्वतखोरी के मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह मामला नकली दवा बनाने वाले रैकेट की जांच से जुड़ा हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, कथित घटना के समय दीपक गहलावत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर तैनात थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने रिश्वत के बदले अपने कथित प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए एजेंसी के अधिकारियों पर दबाव बनाने और पुडुचेरी के एक कारोबारी को सीबीआई की जांच में मनचाहा परिणाम दिलाने का भरोसा दिया था। यह मामला जून में सीबीआईद्वारा चलाए गए एक ट्रैप ऑपरेशन से सामने आया था।

भारतीय सेना धीरज सेठ ने पहले ही दिन जवानों को दे दिया विजय मंत्र, देश के दुश्मनों की उड़ी नींद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की कमान अब ऐसे सैन्य अधिकारी के हाथों में आ गई है, जो केवल युद्धक अनुभव ही नहीं, बल्कि बदलते युद्धक्षेत्र की नई चुनौतियों को समझने वाली आधुनिक सोच भी रखते हैं। जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना के 31वें सेना प्रमुख के रूप में पदभार संभालते ही साफ कर दिया कि आने वाले वर्षों में सेना का सबसे बड़ा लक्ष्य तकनीक आधारित, तेज, आत्मनिर्भर और बहुआयामी युद्ध क्षमता वाली फौज तैयार करना होगा। उन्होंने अपने पहले ही संबोधन में यह संकेत दे दिया कि भारतीय सेना अब पारंपरिक युद्ध की सीमाओं से आगे बढ़कर भविष्य के युद्ध की तैयारी में पूरी ताकत झोंकने जा रही है। सेना प्रमुख का पद संभालने के बाद जनरल धीरज सेठ ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व और विनम्रता दोनों का विषय है। उन्होंने कहा कि वह "ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट" के सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ इस दायित्व को निभाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि देश ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। साथ ही उन्होंने देश के उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने राष्ट्र सेवा में वोंच्च बलिदान दिया।

महायुति का बड़ा दांव, विपक्ष ने खींचे हाथ, सचिन अहीर बने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन

मुंबई, एजेंसी। सरकार की आम सहमति से चुनाव कराने की अपील के बाद विपक्ष द्वारा अपना उम्मीदवार वापस लेने पर, महायुति के उम्मीदवार सचिन अहीर बुधवार (1 जुलाई) को महाराष्ट्र विधान परिषद के उप-सभापति निर्विरोध चुने गए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शुरू में इस पद के लिए जगन्नाथ अभ्यंकर को नॉमिनेट किया था। हालांकि, सत्ताधारी गठबंधन ने विपक्ष से अपील की कि वे डिप्टी चेयरमैन को सर्वसम्मति से चुनने की सदन की परंपरा का पालन करें। सरकार के अनुरोध के बाद, विपक्ष ने अभ्यंकर का नॉमिनेशन वापस ले लिया, जिससे महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन के तौर पर अहीर के सर्वसम्मति से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नॉमिनेशन दाखिल किया।

अवैध प्रवासन, मानव तस्करी और फर्जी एजेंटों के खिलाफ जयशंकर ने दिखाया कड़ा रुख, दुनिया को चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में आयोजित मानव संसाधन गतिशीलता मंच को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलती व्यवस्था में कौशल आधारित मानव संसाधन की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव, तकनीकी नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, डिजिटलीकरण और हरित अर्थव्यवस्था जैसी नई प्रवृत्तियां वैश्विक श्रम बाजार को नया स्वरूप दे रही हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य, विनिर्माण, निर्माण और कृषि जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में भी कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता बनी हुई है। ऐसे समय में देशों के लिए यह आवश्यक हो गया है कि वह रचनात्मक सोच और सहयोग के माध्यम से भविष्य की समृद्धि सुनिश्चित करें।

विदेश मंत्री ने कहा कि लंबे समय तक वैश्विक आर्थिक चर्चाएं व्यापार, निवेश और पूंजी के प्रवाह तक सीमित रही थीं, लेकिन अब मानव संसाधन आर्थिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि सतत विकास, नवाचार और उत्पादकता बनाए रखने के लिए कुशल और अनुकूलनशील प्रतिभा तक पहुंच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन गतिशीलता केवल लोगों के एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का विषय नहीं है, बल्कि यह आकांक्षाओं को अवसरों से जोड़ने, प्रतिभा को मांग से मिलाने और आर्थिक प्रगति के नए रास्ते तैयार करने की प्रक्रिया है। इसके माध्यम से आर्थिक विकास के साथ सामाजिक कल्याण को भी मजबूती मिलती है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की दृष्टि केवल विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत मानव संसाधन गतिशीलता को अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ मानता है।

सीसीटीवी बंद कर दें और बीजेपी अपील कर दे तो चंदा वापस आ जाएगा: अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी को लेकर मामला लगातार गरमाया हुआ है। समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव ने इसे 20 हजार करोड़ रुपये का घोटाला बताया है तो पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का कहना है कि मर्यादा का पहला नाम श्री राम है और दूसरा नाम संविधान, लेकिन बीजेपी दोनों को दगा दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वहां पर सीसीटीवी कैमरा बंद कर दिया जाए तो सोना-चांदी आदि सब चढ़ावा वापस आ जाएगा। अपने जन्मदिन पर अखिलेश ने पीसी करते हुए बुधवार को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले चंदे में हेराफेरी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बीजेपी पर "भगवान राम" और संवैधानिक मूल्यों, दोनों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने "मर्यादा" की बात की और आरोप लगाया कि बीजेपी को सिर्फ दान मिलने की चिंता है। उन्होंने कहा, "बीजेपी भगवान राम के साथ धोखा कर रही है। मर्यादा का पहला नाम भगवान श्री राम है और दूसरा संविधान। बीजेपी ने दोनों के साथ धोखा किया है। बीजेपी को डर है कि दान या चंदा मिलना बंद हो सकता है।" चंदा चोरी मामले की जांच कर रही SIT टीम का कार्यकाल 15 दिन के लिए बढ़ाए जाने को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा, "दान या चंदा बंद न हो जाए क्योंकि ये चुनाव के लिए बड़ी संसाधन बनकर आ रही हैं।"

सुप्रीम कोर्ट पहुंची थलपति विजय सरकार, गो-हत्या पर रोक हटाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ़ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है जिसमें राज्य को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि बकरीद या किसी अन्य दिन किसी भी गाय या बछड़े की हत्या न हो। सरकार का तर्क है कि इस फ़ैसले से एक तरह की पूरी पाबंदी लग जाती है, जिसकी व्यवस्था मौजूदा कानून में नहीं है। अपनी स्पेशल लीव पिटिशन (SLP) में राज्य ने तर्क दिया है कि हाई कोर्ट ने पूरे राज्य में व्यापक प्रतिबंध लगाकर मूल जनहित याचिका (PIL) के दायरे का उल्लंघन किया है, जबकि याचिका कोयंबटूर में बकरीद के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गायों की हत्या को रोकने तक ही सीमित थी। यह अपील मद्रास हाई कोर्ट के 27 मई, 2026 के उस फ़ैसले को चुनौती देती है, जो जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन और वी. लक्ष्मीनारायण की डिवीज़न बेंच ने सुनाया था। तमिलनाडु सरकार के अनुसार, PIL में यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश मांगे गए थे कि जानवरों को मारने का काम केवल अधिकृत बूचड़खानों में ही हो, न कि सार्वजनिक जगहों पर। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट को बताया कि उसने पहले ही निगरानी बढ़ा दी है, तय बूचड़खानों की पहचान कर ली है, निरीक्षण के लिए अधिकारी तैनात किए हैं और सार्वजनिक जगहों पर जानवरों को मारने से रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। हालांकि, यह देखते हुए कि जानवरों को काटने का काम सिर्फ़ अधिकृत बूचड़खानों में ही होना चाहिए, हाई कोर्ट ने एक कदम आगे बढ़कर सरकार को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि बकरीद की पूर्व संध्या पर या किसी अन्य दिन किसी भी गाय या बछड़े को न काटा जाए। राज्य सरकार ने तर्क दिया है कि यह निर्देश एक रूपूर्ण और व्यापक प्रतिबंध के बराबर है, जिसकी न तो याचिकाकर्ता ने मांग की थी और न ही तमिलनाडु में जानवरों को काटने से संबंधित कानूनी ढांचे में इसका समर्थन किया गया है। सरकार का कहना है कि तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958; तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय अधिनियम, 1998; तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय नियम, 2023; पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और बूचड़खानों से जुड़े नियमों का एक ढांचा है जो पशु वध को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने के बजाय उसे रेगुलेट करता है।

राम मंदिर चंदे पर अरविंद केजरीवाल का भाजपा पर बड़ा हमला, चोरों को सजा के लिए सरकार बदलनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकारों पर तीखा हमला किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने इस मामले को संभालने के सरकार के तरीके पर सवाल उठाए और दावा किया कि जब तक सरकार नहीं बदलेगी, तब तक कथित गड़बड़ियों के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सज़ा नहीं मिलेगी। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब राम मंदिर दान में कथित चोरी के मामले की जांच चल रही है और कई आरोपियों को पहले ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की मौजूदा सरकारें इस मामले में आरोपी लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, तो सरकार बदलनी होगी। मौजूदा केंद्र सरकार और राज्य सरकार सज़ा सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। भगवान राम का हर भक्त जो चाहता है कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, उसे सरकार बदल देनी चाहिए। जब बार एसोसिएशन ने उनका बहिष्कार किया तो मुझे खुशी हुई।

केजरीवाल का आरोप है कि भाजपा ने राजनीति के लिए सनातन का इस्तेमाल किया

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने BJP पर राजनीतिक फायदे के लिए सनातन का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। यह दावा करते हुए कि BJP नेता भगवान राम को सच में भगवान नहीं मानते, केजरीवाल ने कहा कि ये लोग राम को भगवान नहीं मानते; वरना वे चोरी नहीं करते। भगवान राम ने उन्हें सब कुछ दिया है। उन्होंने 21 राज्यों और केंद्र में सरकार बनाने में उनकी मदद की। उन्हें कम से कम जाकर भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया, 'देश का हर सनातनी दुखी और परेशान है।

अमित शाह के राम मंदिर जाने पर सवाल उठाए गए

केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा और दावा किया कि प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से वे राम मंदिर नहीं गए हैं। केजरीवाल के अनुसार, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लगभग ढाई साल बीत चुके हैं, लेकिन शाह इस दौरान मंदिर नहीं गए हैं। केजरीवाल ने कहा श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को ढाई साल यानी कुल 891 दिन बीत चुके हैं। इन ढाई सालों में गृह मंत्री अमित शाह एक बार भी राम मंदिर नहीं गए। जिस व्यक्ति ने भगवान राम के नाम का सबसे ज़्यादा गलत इस्तेमाल किया है, वह राम मंदिर नहीं गया है। मैंने इंटरनेट पर देखा, ChatGPT से पूछा, पत्रकारों से बात की और अमित शाह की टाइमलाइन देखी। उन्होंने अपने भाषणों और इंटरव्यू में 42 से ज़्यादा बार राम मंदिर का ज़िक्र किया है और उसके नाम पर वोट मांगे हैं। उनके पास राम के नाम पर वोट मांगने का तो समय है, लेकिन मंदिर जाने का समय नहीं है। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा, अमित शाह से मेरे सवाल हैं: आप राम मंदिर क्यों नहीं गए? क्या आपका राम मंदिर जाने का मन नहीं करता? क्या आपको भगवान राम के आशीर्वाद की ज़रूरत नहीं है?

'ममता बनर्जी के चलते बंगाल में आई बीजेपी', तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के बयान से हलचल

हैदराबाद/कोलकाता। एक तरफ पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी के हाथों तृणमूल कांग्रेस को मिली हार के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ममता बनर्जी को फोन कॉल करके ढांढस बंधाया था। वहीं अब कांग्रेस के ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार आने के पीछे ममता बनर्जी और उनके सरकार चलाने के तौर तरीके को जिम्मेदार ठहराया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर दिए गए बयान से नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी के मजबूत होने की वजह तृणमूल कांग्रेस सरकार की कार्यशैली और संगठनात्मक कमजोरियां रही हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक तालमेल और गठबंधन को लेकर लगातार चर्चा हो रही है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर वृद्धा की मौत, 08 घायल

बंधुआ कला थाना क्षेत्र के धारूपुर गांव से जुड़ा मामला

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार सुल्तानपुर। बंधुआ कला थाना क्षेत्र के धारूपुर गांव में धान लगाने गए मजदूर बारिश शुरू होने के बाद पेड़ की छांव में चले गए तभी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक वृद्धा की मौत हो गई। जबकि 08 लोग घायल हो गए।घायलों को एम्बुलेंस की मदद से स्थानीय सीएचसी लाया गया।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद 04 लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बुधवार को बंधुआ कला थाना क्षेत्र पूरे परशन धारूपुर गांव निवासी छत्रपाल पुत्र महराजदीन के खेत में धान की रोपाई का कार्य चल रहा था। दोपहर में अचानक बारिश शुरू हुई तो सभी लोग बगल आम के पेड़ के पास छांव में चले गए। तभी तेज आवाज के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में पेड़ के नीचे मौजूद 09 लोग आ गए।जिनमें पियारी (65) पत्नी पराग चौहान की मौके पर मौत हो गई। जबकि मौके पर मौजूद अन्य लोग जयसिंह (40) पुत्र पराग, चांदनी (08) पुत्री छत्रपाल, मुस्कान (06)पुत्री छत्रपाल, जाह्नवी (05)पुत्र छत्रपाल, छत्रपाल (35)पुत्र महराजदीन, आदित्य (14)पुत्र राजाराम, उदयराज (65)पुत्र भंगू, प्रानदेई (62)पत्नी उदयराज आदि लोग झुलस कर घायल हो गए। घायलों को गम्भीर हालत में स्थानीय सीएचसी लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने जयसिंह, छत्रपाल, उदयराज व प्रानदेई को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का इलाज स्थानीय सीएचसी पर चल रहा है। आकाशीय बिजली की सूचना पर तहसीलदार सदर देवानंद तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सूचना पर पहुंची बंधुआ कला पुलिस ने मृतक पियारी के शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। थानाध्यक्ष बंधुआ कला प्रमोद पटेल ने बताया कि शव को मर्चरी भेजकर विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी उत्तम तिवारी ने बताया कि सूचना पर मौके पर तहसीलदार सदर को भेजा गया था। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से जल्द सहायता दिलाई जाएगी।

रक्तदान, केक काटकर और वृक्षारोपण कर अखिलेश यादव का जन्मदिन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर सुलतानपुर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिले में सिख समाज और समाजवादी कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग आयोजनों के माध्यम से जन्मदिन मनाते हुए सामाजिक और राजनीतिक संकल्प भी दोहराए।

188 विधानसभा सुल्तानपुर जिला अस्पताल में पूर्व विधायक, प्रवक्ता अनूप संडा के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी साथी हाथ बढ़ाना अभियान के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समाजवादी विचारधारा से जुड़े बहुत 57 लोगों ने भाग लेकर जनहित में रक्तदान किया। वही सिख समाज ने केक काटकर अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आगामी विधानसभा चुनाव में पीडीए की सरकार बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव तेजिंदर सिंह बग्गा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ रविंदर सिंह, राजपाल, बलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

दिल्ली से लौट रही एसी बस अनियंत्रित होकर पलटी, चालक गंभीर घायल, बड़ा हादसा टला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के हलियापुर-कुड़वार मार्ग पर मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। प्राथमिक विद्यालय लोहरिया के पास दिल्ली से लौटकर वलीपुर आ रही एक एसी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में बस चालक विकास सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के समय बस में कोई यात्री सवार नहीं था। बस में केवल चालक विकास सिंह और कंडक्टर जितेंद्र श्रीवास्तव मौजूद थे, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया और घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। चालक की स्थिति पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक संबंधित एसी बस प्रतिदिन वलीपुर, पारा बाजार, सैनी, तिरहुत, हलियापुर और लखनऊ मार्ग से होकर दिल्ली तक संचालित होती है। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सम्भव अभियान 6.0 का एमएलसी ने हरी झण्डी दिखाकर किया शुभारम्भ

सुल्तानपुर। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा जन-मानस एवं लाभार्थियों को विभाग की सेवाओं, पोषण प्रबन्धन, कुपोषण से बचाव के उपाय एवं सतत विकास लक्ष्य-2 के अन्तर्गत वर्ष 2030 तक कुपोषण की दर में कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में विभागीय कार्यक्रमों के प्रभारी क्रियान्वयन, अन्तर्विभागीय समन्वय, तथा निगरानी एवं मूल्यांकन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है। जिससे शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लायी जा सके। इस हेतु बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से वर्ष 2021 से नवाचार के रूप में आयोजित संभव अभियान के अन्तर्गत गम्भीर कुपोषण से ग्रसित बच्चों के चिन्हांकन, उपचार, सन्दर्भन एवं सामुदायिक स्तर पर उनके प्रबंधन के साथ-साथ कुपोषण की रोकथाम हेतु सामुदायिक व्यहार में परिवर्तन लाने के प्रयास किए जा रहे है।

कानपुर में महिला को डराकर जेवर लूटने वालों का एनकाउंटर, दो बदमाशों के पैर में लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। गुजैनी पुलिस ने पति और बेटे की हत्या का भय दिखाकर महिला से जेवर लूटने वाले अंतरजनपदीय तीन लुटेरों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। सोमवार देर रात वनपुरवा-फत्तेपुर मार्ग पर हुई मुठभेड़ में दो लुटेरों के दाहिने पैर में गोली लगी, जिन्हें एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वहीं, भागे तीसरे आरोपित को घेराबंदी करके पकड़ा। पकड़े गए आरोपितों की पहचान नौबस्ता के बुढ़पुर मछरिया निवासी मोहम्मद अकरम, जावेद अख्तर उर्फ चिकना और चांदबाबू उर्फ ढल्ला के रूप में हुई।

डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि 21 जून को रविदासपुरम निवासी सुरेश कुमार की पत्नी बिंदन देवी बर्रा-आठ से घर लौट रहीं थीं। गुजैनी थाने के नजदीक

तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया।

मोबाइल पर पति और बेटे की फोटो दिखाई और दोनों की हत्या करने की धमकी देकर महिला से मंगलसूत्र और पर्स में रखे 600 रुपये ले लिए। इसके बाद चाकू दिखाकर महिला को बाइक में बैठाकर उसके घर ले गए और धमकाकर घर में रखे जेवरात भी ले गए थे।

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपितों की तलाश शुरू की। घटनास्थल और रास्ते के कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान की गई। इसके बाद टीम उनकी तलाश कर रही थी। सोमवार देर रात सूचना मिली कि आरोपित इलाके में वारदात के इरादे से घूम रहे हैं।

वनपुरवा-फत्तेपुर मार्ग पर घेराबंदी की गई, तभी एक बाइक पर तीन लोग आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें मोहम्मद अकरम और जावेद अख्तर गोली लगने से घायल हो गए।

चांदबाबू ने भागने का प्रयास किया लेकिन उसे भी दौड़ाकर दबोच लिया गया। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि तीनों शातिर लुटेरे और गैंग्सटर एक्ट के आरोपित हैं। हमीरपुर, जालौन, कासगंज और शहर में जावेद अख्तर पर नौ और मोहम्मद अकरम व चांदबाबू पर सात मुकदमे दर्ज हैं।

पीडीए जननायक अखिलेश यादव का धूमधाम से मनाया जन्मदिन

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बुधवार को जनपद में उत्साह, जोश और जनसेवा के संकल्प के साथ मनाया गया। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित समारोह में केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। कार्यकर्ताओं व आम लोगों के बीच मिष्ठान वितरित किया। कार्यक्रम में पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी नेताओं ने अखिलेश यादव के नेतृत्व को सामाजिक न्याय, विकास और पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) की राजनीति का मजबूत आधार बताते हुए उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। नेताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और अधिकार पहुंचाने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है।

गोरखपुर एम्स रैन बसेरा के केयरटेकर ने फंदे से लटककर दी जान, मोबाइल फोन कब्जे में लेकर जांच शुरू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। एम्स अस्पताल में स्थित रैन बसेरा के केयरटेकर ने फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर डायल 112 और पुलिस मौके पर पहुंची। जांच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुदकुशी के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस ने जांच के लिए मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया है।

यह घटना रामगढ़ताल थाना के इंदिरानगर की है। शुभम शुक्ला पुत्र जनार्दन शुक्ला एम्स अस्पताल परिसर में स्थित रैन बसेरा में केयरटेकर के रूप में कार्यरत थे, उनका भाई भी वहीं केयरटेकर है।

पुलिस की जांच और पूछताछ के अनुसार शुभम बुधवार की भोर में चार बजे अपने कमरे से निकलकर छत पर बने कमरे में गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिवार को आशंका हुई। इसके बाद पिता जनार्दन समेत अन्य साढ़े पांच बजे जब ऊपर उसके कमरे में पहुंचे तो शुभम का शव नायलान की रस्सी के सहारे फंदे से लटका मिला।

परिवार ने शव को फंदे से नीचे उतारा और डायल 112 पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक सुनील राय ने बताया कि मौके पर पुलिस जब पहुंची तो शव फंदे से उतारा जा चुका था। परिवार के लोग शव का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाह रहे थे।

बावजूद, आशंका होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में मौत के कारण स्पष्ट नहीं हुए है। मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

श्रद्धापूर्वक मनायी गयी बाबू केदारनाथ सिंह जी की 27वीं पुण्यतिथि

सुल्तानपुर। दिन बुधवार को कमला नेहरू संस्थान परिवार ने श्रद्धापूर्वक श्रद्धेय बाबू केदार नाथ सिंह की 27 वीं पुण्यतिथि मनाया। इस अवसर पर के.एन.आई मुख्य परिसर मे संस्थान प्रबंधक व विधायक सुलतानपुर विधानसभा विनोद सिंह ने अपने समस्त परिवारीजनों के साथ बाबू जी को पुष्प अर्पित करने के साथ साथ पूजा अर्चना किया । इस अवसर पर संस्थान प्राचार्य प्रो सुनील प्रताप सिंह सहित संस्थान परिवार के समस्त शैक्षिक व गैरशैक्षणिक कर्मचारीगणों ने भी संस्थान संस्थापक बाबू के.एन.सिंह को श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पण किया। पुष्पार्पण के बाद प्रबंधक विनोद सिंह, इनके बड़े भाई अरविन्द कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह व पुलकित सिंह आदि ने सपत्निक पुण्यतिथि पर आयोजित हवन-पूजन कार्यक्रम को सम्पन्न किया। वहीं उपस्थित सभी जनों ने बाबू के.एन.सिंह को हृदय से स्मरण किया तथा बाबू जी के कृतित्व व सामाजिक सरोकार की भूमिका को याद करते हुए संस्थान को राष्ट्रीय स्तर की गरिमा दिलाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

महराजगंज में द्वार पूजा के बाद ट्रांसफार्मर की चपेट में आने से रथ में सजे दो घोड़ों की मौत, रथ मालिक घायल

आर्यावर्त संवाददाता

(कोल्हुई) महराजगंज। एक शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। द्वार पूजा की रस्म पूरी होने के बाद दूल्हे का रथ सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान रथ में जुड़े दो घोड़े ट्रांसफार्मर की चपेट में आ गए, जिससे रथ में करंट उतर आया।

करंट लगने से दोनों घोड़ों की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि उन्हें संभाल रहा रथ मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद बरात और गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सोमवार की रात जनपद सिद्धार्थनगर के उस्का बाजार क्षेत्र से बरात कोल्हुई थाना क्षेत्र के भगीरथपुर गांव आई थी। द्वार पूजा के समय दूल्हा सजे हुए रथ पर सवार होकर विवाह स्थल तक पहुंचा। रस्म पूरी होने के बाद दूल्हा रथ से उतरकर विवाह की अन्य परंपराओं के लिए दुल्हन के दरवाजे पर चला गया। इसी बीच ट्रांसफार्मर की जद में आ कर

दोनों घोड़े तड़पकर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। रथ मालिक फैजान, निवासी उस्का बाजार (सिद्धार्थनगर), भी करंट की चपेट में आने से घायल हो गया।

हादसे की सूचना मिलते ही कोल्हुई पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया। विद्युत विभाग की टीम ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर स्थिति को नियंत्रित किया। पशुपालन विभाग की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। घटना के कारण कुछ समय के लिए शादी समारोह का माहौल गमगीन हो गया।

बरातियों और ग्रामीणों में घटना को लेकर काफी चिंता और आक्रोश देखने को मिला। बाद में अधिकारियों के समझाने पर स्थिति सामान्य हुई और विवाह की शेष रस्में पूरी कराई गईं। थानाध्यक्ष कोल्हुई कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि दोनों मृत घोड़ों का पोस्टमार्टम कराया गया है। रथ मालिक की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक

बरेली जंक्शन पर 30 दिन का मेगा ब्लॉक, कई ट्रेनें रद्द... यात्रा से पहले कर लें तैयारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जंक्शन से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए जुलाई का महीना कुछ मुश्किल भरा रह सकता है। रेलवे ने बरेली जंक्शन यार्ड में वाशिंग लाइन संख्या 36 और 37 के रखरखाव के लिए 5 जुलाई से 3 अगस्त तक 30 दिन का मेगा ब्लॉक लेने का फैसला किया है। इस दौरान कई ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ेगा। कुछ ट्रेनें पूरी तरह निरस्त रहेंगी, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन बदले हुए कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बरेली यार्ड की पुरानी वाशिंग लाइन पर लंबे समय से रखरखाव कार्य की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसी कारण एक महीने का विशेष ब्लॉक लिया गया है, ताकि भविष्य में ट्रेनों

की देखभाल और संचालन बेहतर तरीके से हो सके। ब्लॉक के दौरान कोचों की सफाई और तकनीकी जांच का काम नई वाशिंग लाइन के माध्यम से किया जाएगा।

इन ट्रेनों पर पड़ेगा असर

मेगा ब्लॉक की वजह से कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे ने कुछ ट्रेनों को तय तिथियों पर निरस्त करने का फैसला लिया है। इनमें बरेलीलालकुआं, लालकुआंबरेली, बरेलीइंदौर और इंदौरबरेली रूट की ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा बरेलीदिल्ली पैसेंजर और दिल्लीबरेली पैसेंजर का संचालन पूरे ब्लॉक के दौरान यानी 5 जुलाई से 3 अगस्त तक बंद रहेगा। रोजाना इन ट्रेनों से सफर करने वाले यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ सकती है। रेलवे का कहना है कि बाकी ट्रेनों पर असर कम करने के लिए अतिरिक्त रेक और दूसरी परिचालन व्यवस्था तैयार की गई है। साथ ही, इस अवधि में बरेली यार्ड से किसी विशेष, सैन्य या अतिरिक्त ट्रेन के संचालन की योजना नहीं बनाई गई है। ललितपुर यार्ड कार्य का भी असर, कई ट्रेनों का रूट बदलेगा

इसी बीच उत्तर मध्य रेलवे के ललितपुर स्टेशन पर यार्ड री-मॉडलिंग का काम भी शुरू किया जा रहा है। इसका असर मुरादाबाद मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों पर दिखाई देगा। रेलवे के अनुसार, लालकुआंकेएसआर बेंगलुरु एक्सप्रेस और केएसआर बेंगलुरुलालकुआं एक्सप्रेस कुछ तय तिथियों पर रद्द रहेंगी। वहीं, योगनगरी ऋषिकेश और हुब्बली के बीच चलने वाली ट्रेनें भी कुछ दिनों तक संचालित नहीं होंगी।

कुछ लंबी दूरी की ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा, ताकि यात्रियों को पूरी तरह असुविधा न हो। हरिद्वारलोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस सहित कुछ ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी बदलाव किया गया है। उधर, रेलवे कार्यों का असर ट्रेनों की समयबद्धता पर भी दिख रहा है। मंगलवार को काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस और उपासना एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें कई घंटे की देरी से बरेली पहुंचीं। स्टेशन पर यात्रियों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। प्लेटफॉर्म और प्रतीक्षालयों में भीड़ बढ़ने से परेशानी और ज्यादा महसूस हुई। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें, ताकि स्टेशन पहुंचने के बाद अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

भाभी को सड़क पर चप्पलों से पीटने का वीडियो वायरल, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के असरवन गांव में पारिवारिक विवाद का एक मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति द्वारा अपनी भाभी की सड़क पर चप्पलों से पिटाई किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे, लेकिन किसी ने भी बीच-बचाव करने की कोशिश नहीं की।

जानकारी के मुताबिक, घटना 28 जून की शाम करीब पांच बजे की बताई जा रही है। पीड़ित शहनाज पत्नी शरीफ अपने घर के बाहर बैठी थीं। इसी दौरान उनके जेठ रहीश अपने बेटों गुलफाम, रहमान, सलमान और इरफान के साथ वहां पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि जब सभी लोग शहनाज के साथ मारपीट करने लगे तो उन्होंने

खुद को बचाने के लिए घर का दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर उनके साथ मारपीट की। बाहर निकलने पर महिला को सड़क पर चप्पलों से भी पीटा गया। बुधवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई। लंभुआ क्षेत्राधिकारी ऋतिक कपूर ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच की जा रही है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा रही कि वीडियो वायरल होने से पहले मामले में पुलिस की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई थी।

प्रदेश के मजदूरों को बड़ा फायदा, वीबी-जी राम जी एक्ट लागू होने से हर रोज मिलेंगे न्यूनतम 300 रुपये

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश की ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में 1 जुलाई 2026 से बड़ा बदलाव लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना को आधिकारिक तौर पर लागू कर दिया है।

इस नई योजना के तहत अब प्रदेश के पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिनों की रोजगार गारंटी मिलेगी। इस योजना के समुचित कार्यान्वयन के लिए योगी सरकार ने कमर कस ली है। करीब 20 वर्षों तक ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रहे मनरेगा की जगह अब यह नया ढांचा ले रहा है। यह कानून ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, रोजगार बढ़ाएगा और गांवों में स्थायी विकास कार्यों को गति देगा।

यूपी के ग्रामीण परिवारों को होगा फायदा

उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े ग्रामीण आबादी वाले राज्यों में शामिल है, जहां लाखों परिवार रोजगार के लिए मनरेगा पर निर्भर रहे हैं। नई योजना लागू होने के बाद यूपी के ग्रामीण मजदूरों को कई बड़े लाभ मिलने वाले हैं। अब प्रदेश के पात्र ग्रामीण परिवारों को सालाना 100 दिनों के बजाय 125 दिनों की रोजगार गारंटी मिलेगी। साथ ही नई व्यवस्था के तहत अब राज्य में मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन से कम नहीं होगी। इससे राज्य के लाखों ग्रामीण मजदूरों को सीधा फायदा मिलेगा। राष्ट्रीय औसत मजदूरी 298.8 रुपये प्रतिदिन से बढ़कर 327.4 रुपये प्रतिदिन हो गई है। योगी सरकार ने बढ़ी हुई मजदूरी देने के लिए सारे प्रबंध पहले से कर रखे हैं।

वैज्ञानिक तरीके से विकास योजनाएं तैयार की जाएंगी

मनरेगा की तुलना में सबसे बड़ा बदलाव जियोस्पेशियल प्लानिंग को लेकर देखा जा रहा है। पहले जहां स्थानीय मांग के आधार पर कार्यों को मंजूरी दी जाती थी, वहीं अब गांवों में सैटेलाइट डेटा, भूमि रिकॉर्ड और बुनियादी ढांचे की जरूरतों के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से विकास योजनाएं तैयार की जाएंगी। इन्हीं योजनाओं के अनुसार तय होगा कि सरकारी धन कहां और किस कार्य पर खर्च किया जाएगा। वहीं अब पहले की तरह केवल मांग के आधार पर रोजगार नहीं मिलेगा। प्रदेश के गांवों में पहले से तैयार विकास योजनाओं के आधार पर काम तय किए जाएंगे।

अब यूपी के गांवों में विकास कार्यों की योजना और निगरानी जीआईएस मैपिंग, सैटेलाइट इमेजरी और डिजिटल प्लानिंग टूल्स के जरिए होगी। इससे काम की गुणवत्ता और पारदर्शिता बढ़ाने का दावा किया जा रहा है। वीबी-जी राम जी एक्ट के तहत उत्तर प्रदेश में ऐसे कार्यों को प्राथमिकता मिलेगी जो लंबे समय तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करें। इसमें सड़क निर्माण, सिंचाई व्यवस्था, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थायी सामुदायिक इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है। अब विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं को आपस में जोड़कर परियोजनाओं को लागू किया जा सकेगा। इससे कार्यों के दोहराव को रोका जा सकेगा, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और विकास कार्यों की दक्षता में सुधार आएगा।

यूपी समेत पूरे देश में बदली ग्रामीण रोजगार की रीढ़, 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण' हुआ लॉन्च

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश की ग्रामीण रोजगार व्यवस्था में 1 जुलाई 2026 से बड़ा बदलाव लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना को आधिकारिक तौर पर लागू कर दिया है। इस नई योजना के तहत अब प्रदेश के पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिनों की रोजगार गारंटी मिलेगी। इस योजना के समुचित कार्यान्वयन के लिए योगी सरकार ने कमर कस ली है।

करीब 20 वर्षों तक ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रहे मनरेगा की जगह अब यह नया ढांचा ले रहा है। यह कानून ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा, रोजगार बढ़ाएगा और गांवों में स्थायी विकास कार्यों को गति देगा। उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े ग्रामीण आबादी वाले राज्यों में शामिल है, जहां लाखों परिवार रोजगार के लिए मनरेगा पर निर्भर रहे हैं। नई योजना लागू होने के बाद यूपी के ग्रामीण मजदूरों को कई बड़े लाभ मिलने वाले हैं। अब प्रदेश के पात्र ग्रामीण परिवारों को सालाना 100 दिनों के बजाय 125 दिनों की रोजगार गारंटी मिलेगी। साथ ही नई व्यवस्था के तहत अब राज्य में मजदूरी 300 रुपये प्रतिदिन से कम नहीं होगी। इससे राज्य के लाखों ग्रामीण मजदूरों को सीधा फायदा मिलेगा। राष्ट्रीय औसत मजदूरी 298.8 रुपये प्रतिदिन से बढ़कर 327.4 रुपये प्रतिदिन हो गई है। योगी सरकार ने बढ़ी हुई मजदूरी देने के लिए सारे प्रबंध पहले से कर रखे हैं।

मनरेगा की तुलना में सबसे बड़ा बदलाव जियोस्पेशियल प्लानिंग को लेकर देखा जा रहा है। पहले जहां स्थानीय मांग के आधार पर कार्यों को मंजूरी दी जाती थी, वहीं अब गांवों में सैटेलाइट डेटा, भूमि रिकॉर्ड और बुनियादी ढांचे की जरूरतों के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से विकास योजनाएं तैयार की जाएंगी। इन्हीं योजनाओं के अनुसार तय होगा कि सरकारी धन कहां और किस कार्य पर खर्च किया जाएगा। वहीं अब पहले

गुडम्बा पुलिस ने अपहरण के मामले में नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद किया, आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गुडम्बा थाना पुलिस ने अपहरण के एक मामले का खुलासा करते हुए 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बरामदगी के बाद पुलिस ने मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, 21 जून 2026 को किशोरी के पिता की तहरीर पर गुडम्बा थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि उनकी 14 वर्षीय पुत्री बिना बताए घर से चली गई थी और वापस नहीं लौटी।मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने पतारसी और सुरागरसी के आधार पर कार्रवाई करते हुए बुधवार को बेहटा स्थित अस्ती रोड क्षेत्र से नाबालिग किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया। इस दौरान उसके साथ मौजूद आरोपी मो. अनस पुत्र स्वर्गीय भूरे, निवासी नया गांव, थाना कटघर, जनपद मुरादाबाद को भी गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह किशोरी से प्रेम करता है और शादी करने के उद्देश्य से उसे अपने साथ ले गया था।पुलिस ने नाबालिग किशोरी को आवश्यक विधिक प्रक्रिया के तहत संरक्षण में लेते हुए बरामदगी के बाद मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 की वृद्धि की है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।गुडम्बा थाना पुलिस का कहना है कि प्रकरण की विवेचना जारी है और विधिक प्रक्रिया के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विक्रमादित्य तिराहे पर युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। राजधानी के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र स्थित विक्रमादित्य तिराहे के पास मंगलवार दोपहर एक युवक ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए युवक को तुरंत सुरक्षित पकड़ लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।पुलिस के अनुसार, घटना दोपहर करीब 1:20 बजे की है। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान कन्नौज जनपद के सौरिख थाना क्षेत्र के ग्राम कांकरकुई निवासी 25 वर्षीय सुमित महाराज पुत्र स्वर्गीय जयसिंह (वैश्य ठाकुर) के रूप में बताई। उसके साथ संतोष कुमार (65 वर्ष) पुत्र खुशी लाल तथा रीता (45 वर्ष) पत्नी संतोष भी मौजूद थे। पुलिस के मुताबिक आत्मदाह का प्रयास केवल सुमित महाराज ने किया था। प्रारंभिक पूछताछ में सुमित ने बताया कि करीब नौ माह पहले गांव के मंदिर पर हुए विवाद और गाली-गलौज के मामले में थाना सौरिख पुलिस द्वारा पहले ही संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। उसका

नगराम पुलिस ने घर में चोरी करने वाले दो शातिर चोर दबोचे

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नगराम थाना पुलिस ने घर में घुसकर लाखों रुपये के जेवर और नकदी चोरी करने की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए जेवर, नकदी और वारदात में प्रयुक्त बेलचा बरामद किया है। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है।पुलिस के अनुसार, 30 जून 2026 को अनैय्या खरगापुर निवासी अम्बरीश कुमार मिश्र ने तहरीर देकर बताया था कि 28 जून की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए और अलमारी का लॉक तोड़कर नकदी एवं जेवर चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर नगराम थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर दो विशेष टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 90 से 100 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। इसके बाद संदिग्धों की पहचान कर बुधवार को मुखबिर की सूचना पर इंदिरा नहर किनारे डोरिया मोड़ के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगराम थाना क्षेत्र के दोरिया मजरा हरदोईया निवासी 35 वर्षीय रामचन्द्र तथा मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के गौरा निवासी 45 वर्षीय बुद्धिलाल के रूप में हुई है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मजदूरी करने के साथ-साथ बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे। जब उन्हें यह भरोसा हो जाता था कि घर में कोई नहीं है, तब वे ताला या दरवाजा तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे और चोरी का सामान आपस में बांट लेते थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक नथ, एक माथा बेदी, दो अंगूठियां, तीन जोड़ी पायल, 1,570 रुपये नकद तथा वारदात में प्रयुक्त एक लोहे का बेलचा बरामद किया है।

संक्षेप

विकासनगर पुलिस ने एनबीडब्ल्यू वारंटी को शाहजहांपुर से गिरफ्तार किया

लखनऊ। विकासनगर थाना पुलिस ने माननीय न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) के तहत वांछित एक अभियुक्त को शाहजहांपुर से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, सेशन जज, लखनऊ द्वारा आपराधिक अपील संख्या 18/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 413 से संबंधित मामले में अभियुक्त मोहित कुमार (42 वर्ष) के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए विकासनगर थाना पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।सर्विलांस सेल की सहायता और मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने शाहजहांपुर के कोतवाली क्षेत्र स्थित ए-2, साउथ सिटी, बरेली मोड़ स्थित उसके आवास पर दबिश दी। वहां अभियुक्त मौजूद मिला, जिसे न्यायालय द्वारा जारी गैर-जमानती वारंट दिखाकर गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराया गया और विधिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त को बुधवार को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए।इस कार्रवाई को विकासनगर थाना पुलिस की टीम ने अंजाम दिया, जिसमें उपनिरीक्षक राम दुलारे वर्मा और उपनिरीक्षक आकाशदीप सिंह शामिल रहे।

3 जुलाई को नगर निगम का 'संपूर्ण समाधान दिवस', नागरिक सीधे अधिकारियों के सामने रख सकेंगे अपनी समस्याएं

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 3 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन करेगा। इस दौरान शहरवासी अपनी शिकायतें सीधे संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे, जिससे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।नगर निगम द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में जल निकासी, सफाई व्यवस्था, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, गृहकर, अतिक्रमण तथा नगर निगम से संबंधित अन्य जनसमस्याओं और शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे, जिससे नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं के समाधान का अवसर मिलेगा।नगर निगम का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा लंबित शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है।

लखनऊ के रहीमाबाद में भूमि विवाद ने लिया हिंसक रूप, फायरिंग की भी सूचना, दोनों पक्षों के कई लोग घायल

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में बुधवार को भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान एक पक्ष की ओर से लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग किए जाने की भी सूचना है। हालांकि मेडिकल परीक्षण में किसी को गोली लगने की पुष्टि नहीं हुई है।पुलिस के अनुसार, सूचना मिलते ही रहीमाबाद थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्रथम पक्ष के राम सिंह यादव, अनिल कुमार और कुलदीप कुमार रावत अपनी भूमि पर पहुंचे थे। वहां पहले से मौजूद द्वितीय पक्ष के घनश्याम यादव, सावित्री, संतोष तथा अन्य लोगों के साथ किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई, जिसमें दोनों ओर के कई लोग घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद के दौरान अनिल कुमार ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से एक राउंड फायर किया।

सड़क हादसे के बाद गौमांस मिलने के मामले में एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गुडम्बा थाना पुलिस ने सड़क दुर्घटना और गोवध निवारण अधिनियम से जुड़े चर्चित मामले में एक वर्ष से वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फॉरेंसिक जांच में बरामद मांस गाय अथवा उसकी संतति का पाए जाने के बाद मुकदमे में उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की धाराएं बढ़ाई गई थीं।पुलिस के अनुसार, 7 जून 2025 को शिवानी विहार, कल्याणपुर निवासी अरुण कुमार पाठक की तहरीर पर गुडम्बा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप था कि विक्रम टेम्पो चालक सूरज ने शराब के नशे में तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में पंकज मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए थे।घटना के दौरान पुलिस को विक्रम टेम्पो से पशु के शरीर के अवशेष बरामद हुए थे। संदेह के आधार पर नमूनों को विधिक प्रक्रिया के तहत मथुरा स्थित फॉरेंसिक जांच प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट में बरामद नमूना गाय अथवा उसकी संतति का पाए जाने के बाद विवेचना के दौरान मुकदमे में उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3, 5 और 8 भी जोड़ दी गईं।बुधवार को गुडम्बा थाना पुलिस ने मुकदमे में वांछित आरोपी सूरज पुत्र रामलखन, निवासी रडहुआ टेराखुर्द, थाना देवा, जनपद बाराबंकी को 23 नंबर चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि पिछले वर्ष बकरीद के अवसर पर खुर्रमनगर चौराहे के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने अधिक रुपये देने का लालच देकर उससे दो बोरी गौमांस शिवानी विहार स्थित मैकाले क्षेत्र के पास पहुंचाने के लिए कहा था।

बीकेटी में ओवरटेक के दौरान भीषण सड़क हादसा

ट्रक से टकराकर कार स्कॉर्पियो से भिड़ी, महिला गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बीकेटी थाना क्षेत्र में इन्दौर बाग मोड़ के पास बुधवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर पहले ट्रक से टकराई और फिर विपरीत दिशा से आ रही स्कॉर्पियो से जा भिड़ी। हादसे में कार सवार एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि अन्य कई लोगों को भी चोटें आई हैं।पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही बीकेटी थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि ट्रक संख्या CH-01-TC-3840, जिसे चालक शिवजीत सिंह चला रहा था,

पटना की ओर जा रहा था। इसी दौरान नैमिषारण्य से लौट रही कार संख्या UP-32-KB-4257 (हुंडई आई-10), जिसे विवेक सिंघल चला रहे थे, ने ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया।ओवरटेक के दौरान कार का पिछला हिस्सा ट्रक से टकरा गया। टक्कर लगते ही कार अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में चली गई और सामने से आ रही स्कॉर्पियो संख्या UP-32-RJ-7666 से भिड़ गई।दुर्घटना में कार सवार गीता अग्रवाल गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तत्काल राम सागर मिश्र 100 शैय्या चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं कार में सवार अलका सिंघल, अद्रिका सिंघल, मनोज अग्रवाल, रिया अग्रवाल और अलका अग्रवाल सहित अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं, जिनका उपचार कराया जा रहा है।पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान कार के अनियंत्रित हो जाना माना जा रहा है।पुलिस का कहना है कि संबंधित पक्ष से तहरीर मिलने के बाद सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पर्यटन क्षेत्र में तेजी लाने के निर्देश, डेलॉयट से बोले जयवीर सिंह—योजनाओं का असर धरातल पर दिखना चाहिए

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने के लक्ष्य के तहत पर्यटन क्षेत्र में तैयार की जा रही कार्ययोजनाओं की समीक्षा करते हुए डेलॉयट संस्था के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का परिणाम केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। उन्होंने संस्था के पिछले डेढ़ वर्ष के कार्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है और अब प्रस्तावित योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए।गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में पर्यटन मंत्री ने कहा कि जुलाई माह में प्रदेश के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही अगस्त माह के मध्य में मुंबई में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से रोड शो आयोजित किया जाए, ताकि पर्यटन क्षेत्र में अधिक से अधिक निजी निवेश प्राप्त किया जा सके।बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी तथा पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में डेलॉयट द्वारा तैयार कार्ययोजना एवं भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। मंत्री ने संस्था को निर्देश दिया कि काशी, विंध्याचल धाम और नैमिषारण्य में पर्यटन संसाधनों के प्रचार-प्रसार तथा निवेश बढ़ाने के लिए तीन दिनों के भीतर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि केवल योजना बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देना होगा।जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था और सुदृढ़ संपर्क व्यवस्था के कारण पर्यटन क्षेत्र में तेजी से बदलाव आया है। उन्होंने 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) की तर्ज पर 'एक जनपद एक व्यंजन' (ओडीओसी) को पर्यटन से जोड़ते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार की रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 12 पर्यटन परिपथों से जुड़े प्रमुख स्थलों का सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और रोड शो के माध्यम से प्रभावी प्रचार किया जाए।बैठक में डेलॉयट के प्रतिनिधियों ने बताया कि शीघ्र ही वाराणसी, विंध्याचल धाम और नैमिषारण्य में पर्यटकों के अनुभवों पर आधारित विशेष प्रचार अभियान शुरू किया जाएगा। इस पर मंत्री ने कहा कि पर्यटन से जुड़े सभी आंकड़े वास्तविक और प्रमाणिक होने चाहिए, ताकि योजनाओं का सही मूल्यांकन किया जा सके।पर्यटन मंत्री ने विभागीय होटलों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सरकारी होटलों में कमरों की संख्या बढ़ाने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि अयोध्या, लखनऊ और मथुरा में पर्यटन क्षेत्र में सर्वाधिक निवेश प्राप्त हुआ है।उन्होंने कहा कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में पर्यटन क्षेत्र एक मजबूत विकास इंजन के रूप में उभर रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आधारभूत ढांचे का विस्तार, निजी निवेश को बढ़ावा और पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नई पर्यटन नीति को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाएगा।

आईआईआरएफ-2026 में बीबीएयू का शानदार प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ)-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। विश्वविद्यालय के विधि विभाग ने देश के शीर्ष विधि शिक्षण संस्थानों में 9वीं रैंक हासिल की है, जबकि उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का नया मानक स्थापित किया है। इसके साथ ही केंद्रीय विश्वविद्यालयों की प्रबंधन श्रेणी में बीबीएयू ने देशभर में 7वीं रैंक प्राप्त कर प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। वहीं केंद्रीय विश्वविद्यालयों की समग्र श्रेणी में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर 19वीं रैंक मिली है।विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आईआईआरएफ-2026 में विधि विभाग का उत्तर प्रदेश में प्रथम और देश में नौवां स्थान प्राप्त करना तथा केंद्रीय विश्वविद्यालयों की प्रबंधन श्रेणी में सातवीं रैंक हासिल करना पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व और संतोष का विषय है। यह उपलब्धि शिक्षकों की प्रतिबद्धता, विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, उत्कृष्ट शोध, नवाचार और संस्थागत विकास के लिए निरंतर किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, अनुसंधान को प्रोत्साहन देने, आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने और विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया है। यही कारण है कि विश्वविद्यालय लगातार राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक पहचान को और अधिक सशक्त करेगा तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।आईआईआरएफ रैंकिंग में संस्थानों का मूल्यांकन शिक्षण एवं अधिगम संसाधनों की गुणवत्ता, शोध कार्यों के स्तर एवं प्रभाव, प्लेसमेंट, उद्योगों और संस्थानों के साथ सहभागिता, करियर सहायता सेवाओं, भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों की तैयारी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा जैसे महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर किया जाता है।

तुगलकी रास्ते से सत्ता की चाहत का हश्र शिवसेना जैसा होगा

डर और आतंक की राजनीति करने वाली शिवसेना घुटने पर आ चुकी है। नौबत यह आ गई है कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार की मोदी सरकार को अपनी शर्तों पर नचाने का सपना देखने वाले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का ठिकाना छिन गया है। खुद सेना के सांसदों ने ही यह कारनामा कर दिखाया है। पार्टी के पूरी तरह से छिन्न भिन्न होने से लाचार उद्धव ने अध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकस कर डाली। शिवसेना (यूबीटी) गुट के 6 सांसदों ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना का दामन थाम लिया।

शिवसेना यूबीटी की संख्या 9 से घटकर 3 रह गई है, जबकि शिंदे गुट की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, जिस महाराष्ट्र में एक दौर में एकीकृत शिवसेना की तूती बोलती थी, वहां उसकी बोलती भी लगभग बंद हो जाएगी। इस हालत के लिए शिवसेना खुद जिम्मेदार है। कायदे—कानून भूल कर हर हालत में सिर्फ ताकत के बलबूते सत्ता पाने का ख्वाब देखने वाली शिवसेना यह भूल गई कि संविधान से इतर जाकर गैर लोकतांत्रिक तौर—तरीकों से सत्ता नहीं मिल सकती।

देश के अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की तरह सिकुडती शिवसेना का इतिहास कुछ ज्यादा ही काला रहा है। देश में यदि ममता बनर्जी के बाद किसी ने संविधान और कानून कायदों को ठेंगा दिया है तो वह है शिवसेना। शिवसेना ने भी ममता की तरह अपने ही कायदे कानून चलाने में कसर बाकी नहीं रखी। शिवसेना का ख्याल आते ही, देश के आम जनमानस में महाराष्ट में शिवसैनिकों की छवि उभरती थी, हाथों में डंडे या हथियार लिए शिवसैनिक और माथे पर शिवसेना का कपड़ा लपेटे हुए। शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे के दौरान बनी छवि से यह जाहिर होता था कि किसी को कानून की परवाह नहीं है। कानून वही है जो शिवसेना बोल दे। किसी ने जरा भी विरोध करने का दुस्साहस किया तो उसकी खैर नहीं। महाराष्ट्र में चाहे सरकार किसी भी राजनीतिक दल की हो, शिवसेना का आतंक इतना जबरदस्त था कि किसी हिम्मत नहीं थी कि उनकी मनमानी के खिलाफ आवाज उठा सके। बाल ठाकरे ने बाहर से आकर मुंबई बसने वाले लोगों पर कटाक्ष करते हुए महाराष्ट्र को सिर्फ मराठियों का कहकर संबोधित किया।

खासतौर पर दक्षिण भारतीय लोगों के विरोध में उन्होंने कई भद्दे नारे भी दिए। शिवसेना का मुखपत्र माने जाने वाले 'सामना' समाचार पत्र में बिहार और उत्तर प्रदेश से मुंबई पलायन करने वाले लोगों को मराठियों के लिए खतरा बता, बाल ठाकरे ने महाराष्ट्र के लोगों को उनके साथ सहयोग ना करने की सलाह दी। साथ ही इन दो राज्यों से मुंबई बसने वाले नेताओं और अभिनेताओं की भी बाल ठाकरे द्वारा आलोचना की गई।

मोहम्मद अफजल की फांसी की सजा पर कोई फैसला ना सुनाने के लिए बाल ठाकरे ने तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अबुल कलाम पर भी अभद्र टिप्पणियां की थी। वैलेंटाइन डे को हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए खतरा बता, दुकानों और होटलों में तोड़-फोड करने के अलावा प्रेमी युगलों पर हमला, उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के लिए जनता में बाल ठाकरे के खिलाफ रोष उत्पन्न हो गया।

सचिन तेंदुलकर द्वारा भारत की तेजी से विकसित हो रही वाणिज्यिक राजधानी मुंबई को सभी भारतीयों का शहर बताने पर बाल ठाकरे भड़क उठे और उन्होंने सांप्रदायिक आधार पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि तेंदुलकर ₹मराठी मानसिकता को ठेस पहुंचा रहे हैं। ठाकरे और तेंदुलकर, जो मूल रूप से मराठी थे, के बीच हुई इस तीखी बहस ने राष्ट्रीय स्तर पर काफी सुर्खियां बटोरीं।

शिवसेना का ताज नहीं मिलने पर अलग हुए भतीजे राज ठाकरे ने भी बाल ठाकरे के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश की, किन्तु दाल नहीं गली। संसद सदस्य जया बच्चन भी अपनी कथित ₹मराठी-विरोधी₹ टिप्पणियों के कारण राष्ट्रीय विवाद में फंस गईं। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र राज्य और वहां के लोगों का राष्ट्रीय भाषा की आड़ में अपमान करने के लिए जया बच्चन से सार्वजनिक माफी मांगने का आह्वान किया। डर के मारे बच्चन और उनके पति, अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सार्वजनिक माफी जारी करते हुए कहा कि वे हिंदी में इसलिए बोले क्योंकि वे उत्तर प्रदेश (उत्तर भारत) से आए थे।

मुंबई या महाराष्ट्र में जिसे रहना है और कारोबार चलाना है, उसे शिवसेना की सारी शर्तों पूरी करनी होती थी। शिवसेना के आगे सिर झुकाने वालों, बॉलीवुड के फिल्मी सितारे, उद्योगपति, क्रिकेटर सहित तमाम दिग्गज हस्तियां शामिल थी। मीडिया भी शिवसेना के बारे में खबर छापने या टीवी पर दिखाने से पहले कई बार सोचता था। यह सब शिवसैनिकों का खौफ था। देश के दूसरे किसी राज्य में ऐसा तांडव किसी राजनीतिक दल का कभी देखने को नहीं मिला, जैसा शिवसेना ने महाराष्ट्र में दिखाया था।

नीली क्रांति से समृद्धि की ओर

डिजिटल इंडिया के 11 वर्ष : डिजिटल क्रांति से सशक्त हुआ भारत

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम नौ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनका उद्देश्य डिजिटल पहुंच, सुशासन और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम 1 जुलाई 2026 को अपने 11 वर्ष पूरे कर रहा है। वर्ष 2015 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी पहल ने भारत में नागरिकों के जुड़ने, सीखने, लेन-देन करने और सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के तरीके में व्यापक बदलाव किया है। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) तंत्रों में से एक विकसित कर चुका है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, कौशल विकास, बैंकिंग और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सुनिश्चित हुई है। डिजिटल इंडिया ने सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, तेज, सरल और नागरिक-केंद्रित बनाया है। पहले जहां सरकारी सेवाओं के लिए लंबी कतारें, कागजी प्रक्रिया और कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, वहीं अब अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। डिजिटल अवसंरचना में निवेश के कारण गांवों से लेकर शहरों तक इंटरनेट कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और किफायती इंटरनेट ने डिजिटल तकनीक को आम नागरिक तक पहुंचाया है।

पिछले एक दशक में भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनकर उभरा है। एकीकृत भुगतान अंतरफलक (यूपीआई) के माध्यम से विश्व के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल भुगतान हो रहे हैं। देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 12 से 14 प्रतिशत का योगदान दे रही है, जिसके अगले दशक में लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम नौ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनका उद्देश्य डिजिटल पहुंच, सुशासन और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है।

भारतनेट परियोजना के तहत जनवरी 2026 तक लगभग 2.15 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। लगभग सात लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाई गई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में ई-शासन, ऑनलाइन शिक्षा, टेली-चिकित्सा और डिजिटल भुगतान को गति मिली है।

मार्च 2026 तक देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 106.58 करोड़ हो गई है, जिससे अंतिम छोर तक डिजिटल संपर्क मजबूत हुआ है।

देशभर में 6.5 लाख से अधिक सामान्य सेवा केंद्र तथा 1.6 लाख डाकघर डिजिटल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ये केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग, प्रमाण-पत्र, सरकारी योजनाओं और अन्य नागरिक सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं।

डिजिटल लॉकर तथा राष्ट्रीय एकल साइन-ऑन प्रणाली जैसे मंचों के माध्यम से प्रमाण-पत्र, आवेदन, भुगतान और सरकारी सेवाएं अब कागजरहित और सरल हो गई हैं।

ई-अस्पताल, ई-संजीवनी और ई-न्यायालय जैसी सेवाओं ने स्वास्थ्य एवं न्याय व्यवस्था को डिजिटल बनाया है। ई-न्यायालय परियोजना के तहत 660 करोड़ से अधिक पृष्ठ डिजिटल रूप में परिवर्तित किए जा चुके हैं तथा 1.07 करोड़ मामलों की ऑनलाइन दाखिल प्रक्रिया पूरी हुई है।

माईगव और मुक्त सरकारी आंकड़ा मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकारी योजनाओं एवं सूचनाओं तक वास्तविक समय में पहुंच मिल रही है। वर्ष 2014-15 में जहां इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 1.9 लाख करोड़ रुपये था, वहीं मार्च 2026 तक यह बढ़कर लगभग 12 लाख करोड़ रुपये हो गया है। भारत अब विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बन चुका है।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवा उद्योग ने वर्ष 2025 में 283 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व अर्जित किया। देश में 2,100 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्रों में लगभग 26 लाख पेशेवर कार्यरत हैं।

बायोमेट्रिक उपस्थिति, सुरक्षित सरकारी ई-मेल, सार्वजनिक वाई-फाई, डिजिटल पुस्तकें और संदेश आधारित मौसम चेतावनी जैसी पहलों ने डिजिटल शासन को मजबूत किया।

जन-धन खाते, आधार और मोबाइल संपर्क ने वित्तीय समावेशन तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव किया है। फरवरी 2026 तक जन-धन खातों की संख्या बढ़कर 57.78 करोड़ हो गई, जबकि आधार नामांकन 144 करोड़ से अधिक पहुंच गया। जून 2026 तक 176 करोड़ लाभार्थियों को 51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में भेजी जा चुकी है।

आधार ने सुरक्षित बायोमेट्रिक पहचान के माध्यम से बैंकिंग, सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं तक करोड़ों लोगों की पहुंच आसान बनाई। 30 अप्रैल 2025 तक 2,393 करोड़ से अधिक ई-केवाईसी (इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक सत्यापन) लेन-देन दर्ज किए गए। आधार अनुप्रयोग के नवीन संस्करण को पांच माह में ही 3.1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया गया।

मार्च 2026 तक डिजिटल लॉकर पर 70.69 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं तथा 850 करोड़ से अधिक डिजिटल दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं।

यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान को नई ऊंचाई दी है। वर्ष 2016-17 में केवल दो करोड़ लेन-देन से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 24,162 करोड़ से अधिक लेन-देन दर्ज किए गए। यूपीआई अब नौ देशों तक पहुंच चुका है।

स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल

ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली के माध्यम से 24 जून 2026 तक 1.37 करोड़ से अधिक ऑनलाइन चिकित्सकीय अपॉइंटमेंट दर्ज किए गए। ई-संजीवनी मंच के जरिए 48 करोड़ से अधिक टेली-परामर्श उपलब्ध कराए गए तथा 2.3 लाख से अधिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता इससे जुड़े हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान आरोग्य सेतु और कोविन मंच ने देश के टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोविन के माध्यम से 220 करोड़ से अधिक टीकों का प्रबंधन किया गया। टेली मानस सेवा मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए 40.42 लाख से अधिक कॉल संभाल चुकी है। सरकारी ई-बाजार (जीईएम) के माध्यम से जून 2026 तक 18.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की खरीद दर्ज की गई तथा 11 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सरकारी बाजार उपलब्ध हुआ। डिजिटल वाणिज्य के लिए मुक्त नेटवर्क (ओएनडीसी) 20 करोड़ से अधिक खरीदारों, पांच लाख विक्रेताओं और एक हजार शहरों तक पहुंच चुका है। इससे छोटे व्यापारियों को व्यापक बाजार मिला है।

टिप्पणी

सबसे बड़ा कारोबारी भी दूसरे पर निर्भऱ

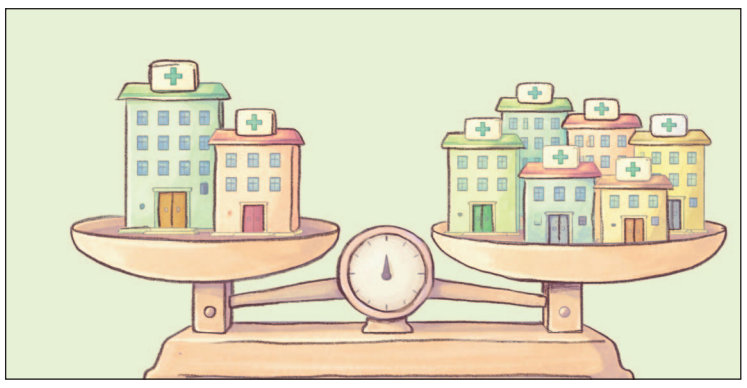

ऐसा नहीं है कि भारत का सिर्फ आम आदमी या गरीब आदमी परजीवी है और सरकार की ओर से सम्मान निधि के नाम पर मिलने वाले पांच सौ या हजार, दो हजार रुपए के लिए सारे तरह के गैरकानूनी काम करता है। देश में जो सबसे बड़ा है वह भी परजीवी है। सबसे बड़ा कारोबारी भी दूसरे पर निर्भऱ है। भारत का सबसे बड़ा या दूसरा सबसे बड़ा कारोबारी भी यह नहीं कह सकता है कि उसने अपना कुछ निर्माण किया है, जिसकी वजह से उसको पूरी दुनिया से पैसा मिल रहा है। इलॉन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने तो उन्होंने किसी और उत्पाद बेच कर यह उपलब्धि नहीं हासिल की। मार्क जकरबर्ग या बिल गेट्स या सैम ऑल्टमैन या डारियो आमोदेई किसी और के उत्पाद की मार्केटिंग करके दुनिया भर से पैसा नहीं कमा रहे हैं। ये माई बाप सरकार की कृपा से ठेके या सब्सिडी हासिल करके भी बड़े नहीं बने हैं। उलटे अमेरिका की सरकार तो इनका रास्ता रोक रही है, फिर भी ये बड़े बने हैं।

इसके उलट भारत में क्या हो रहा है? देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी ने पिछले दिनों अपनी सालाना आम सभा यानी एजीएम की मीटिंग की तो शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके सबसे ज्यादा समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामना से की। यह संभवतः पहला मौका था, जब किसी उद्योग समूह की एजीएम को संबोधित करते हुए उसका मालिक अपने भाषण की शुरुआत में प्रधानमंत्री को बधाई दे, शुभकामना दे। ऐसा करने की जरुरत क्यों है यह समझने के लिए बहुत जानकार होने की जरुरत नहीं है। चाहे देश का सबसे बड़ा उद्योगपति हो या दूसरा, तीसरा, चौथा सबसे बड़ा उद्योगपति हो, सबको माई बाप सरकार की कृपा से काम करना है।

मुफ्त की जमीन लेनी है, जंगल कटवाने हैं, खदान लेने हैं, लाइसेंस और परमिट लेने हैं इसलिए सरकार की जय जयकार करनी है। कोई उद्योगपति रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च नहीं करता है। इसलिए वह अपना कोई उत्पाद नहीं बना सकता है।

अगर रिलायंस या अडानी समूह ने 10 साल पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पैसा लगाया होता और उनके पास अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल यानी एलएलएम होता तो उनको इलॉन मस्क या मार्क जकरबर्ग का मुंह नहीं देखना होता। वे अपना उत्पाद बनाते और दुनिया भर से पैसा कमा कर भारत लाते। अगर उन्होंने सेटेलाइट में निवेश किया होता तो सेटेलाइट से इंटरनेट की सेवा देने के लिए स्पेसएक्स का वेंडर नहीं बनना होता। लेकिन आज स्थिति यह है कि रिलांयस या अडानी समूह के मालिक एआई की जो बात कर रहे हैं वह सिर्फ दुनिया की बड़ी कंपनियों का वेंडर बनने की बात है। उनके लिए डाटा सेंटर बनाने में साझीदार बनने की बात है। उनके एलएलएम पर आधारित सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाने की बात है।

भारत की बड़ी संचार कंपनियां स्पेसएक्स के जरिए सेटेलाइट से इंटरनेट सेवा देने का करार कर रही हैं। मेटा और अन्य कंपनियों के साथ डाटा सेंटर बनाने के करार कर रही हैं। उसी को एआई में बड़ा काम बता कर प्रचारित किया जा रहा है। देश का सबसे बड़ा उद्योग समूह दुनिया के सभी लक्जरी ब्रांड की फ्रेंचाइजी लेकर भारत में उसके उत्पाद बेच रहा है। यही भारत के आत्मनिर्भर होने का मॉडल है।

ब्लॉग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय : सरल, सादगी और संवेदनशीलता के साथ विकास यात्रा का सशक्त नेतृत्व

तेजबहादुर सिंह भुवाल

किसान परिवार से निकलकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुंचने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और जनसेवा की भावना से जनता के बीच एक अलग पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री साय का सार्वजनिक जीवन सादगी, जनसेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। लंबे समय तक जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों, वनवासियों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की समस्याओं को निकट से समझा और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। सत्ता के शीर्ष पद पर होने के बावजूद उनकी सादगी और सहजता आज भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री साय आम जनता से सीधे संवाद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मानते हैं। जनदर्शन, सुशासन तिहार और विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से वे स्वयं लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए त्वरित पहल करते हैं। बुजुर्गों के प्रति सम्मान, बच्चों के प्रति स्नेह तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्परता उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है।

आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री साय अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से गहराई से जुड़े हुए हैं। गांवों में बैठकर लोगों से चर्चा करना, उनकी समस्याओं को समझना और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

पिछले ढाई वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनकल्याण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना, निवेश और सुशासन के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना रहा है।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 8,200 करोड़ रूपये का बजट महतारी वंदन योजना के लिए आवंटित किया है। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं के स्वावलंबन, स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जो लाखों महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार ला रही है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ किसान हैं। राज्य सरकार ने धान खरीदी को प्राथमिकता देते हुए किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की तथा लाखों किसानों को आर्थिक लाभ पहुंचाया।

प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने बड़ी पहल करते हुए लाखों आवासों को स्वीकृति प्रदान की। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधाओं का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तेज गति से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते प्रदेश में लाखों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है।

बस्तर के जंगलों में उत्पादित होने वाले तेंदूपत्ता, आदिवासी समाज की जिंदगी का अहम हिस्सा है। इसी तेंदूपत्ता के सहारे हजारों गांवों में गर्मियों के महीनों में रोज़गार मिलता है। इस काम में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होती हैं, जिससे परिवार की कुल आय में संतुलन बनता है। यही वजह है कि तेंदूपत्ता संग्रहण को सरकार ग्रामीण रोजगार का मजबूत जरिया मानती है। राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्राहकों को बड़ी रहत देते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण दर में अहम बदलाव किया है। पूर्व में मिलने वाली राशि को 4,000 रुपये से बढ़ाकर 5,500 रुपये किया है। यह बढ़ोतरी सीधे-सीधे संग्राहकों लाभ पहुंचा रही है। जानकारों के अनुसार पहले बढ़ती महंगाई के मुकाबले संग्रहण की दर कम पड़ रही थी, लेकिन नई दर से मजदूरी और मेहनत का बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुरक्षा के साथ-साथ संवेदनशील पुनर्वास और विकास पर भी समान रूप से कार्य कर रही है। नक्सली सरेंडर, विक्टिम रिलीफ एंड रिहैबिलिटेशन पॉलिसी-2025 के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर तथा आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मानजनक और मुख्यधारा से जुड़ा जीवन प्रदान किया जा रहा है।

एक नवंबर 2024 से लागू छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 राज्य को निवेश और उद्योगों के लिए नई पहचान दे रही है। न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सिद्धांत पर आधारित यह नीति उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाती है।

व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, पूरी तरह ऑनलाइन आवेदन, समयबद्ध स्वीकृति और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे उद्यमियों को कम समय में आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त हो रही हैं और कारोबार करने में सुगमता बढ़ी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में मजबूत और आधुनिक परिवहन नेटवर्क के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। राज्य में रेल, सड़क और हवाई संपर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे उद्योग, व्यापार, पर्यटन और आम नागरिकों की आवाजाही पहले से अधिक सुगम हुई है।

छत्तीसगढ़ सरकार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों का निरंतर उन्नयन, नई सड़कों और पुलों का निर्माण तथा दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के प्रयासों ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। इससे माल परिवहन की लागत और समय में कमी आई है, जिससे उद्योगों और निवेशकों को सीधा लाभ मिल रहा है।

राज्य शासन की पहल से रेल नेटवर्क के विस्तार और नई रेल परियोजनाओं के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों, खनिज संपदा वाले इलाकों और प्रमुख शहरों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, हवाई सेवाओं के विस्तार, नए एयर रूट और बेहतर विमानन सुविधाओं से राज्य की राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच और भी मजबूत हुई है। बेहतर परिवहन अवसंरचना के कारण छत्तीसगढ़ आज निवेश, व्यापार और पर्यटन के लिए अधिक आकर्षक बन रहा है। यह मजबूत कनेक्टिविटी राज्य के समग्र आर्थिक विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ रोजगार और क्षेत्रीय विकास के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर रुख अपनाते हुए प्रशासनिक जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। योजनाओं में लापरवाही और अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत प्रशासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जन-केंद्रित बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं।

सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित जांच, दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई, तथा अनियमितताओं में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की निगरानी को तकनीक आधारित बनाया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों मजबूत हुई हैं। इसके लिए ई-ऑफिस, सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ई-गवर्नेंस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और जवाबदेह बनाया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाने के लिए सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेश में कही भी औचक निरीक्षण की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया है। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं जिला प्रशासन द्वारा नियमित औचक निरीक्षणों के माध्यम से जिलों के सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, राशन दुकानों और विभिन्न विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन किया जा रहा है।

इन निरीक्षणों के दौरान लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामलों में तत्काल कार्रवाई, जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं। इससे प्रशासनिक तंत्र में अनुशासन बढ़ा है और अधिकारियों की जवाबदेही पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है।

औचक निरीक्षणों के परिणामस्वरूप सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। आम नागरिकों को मिलने वाली सेवाओं में सुधार आया है तथा जनता का शासन व्यवस्था पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

सुशासन की इसी कार्य पद्धति के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करे तथा शासन की प्रत्येक योजना का लाभ समय पर और प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए युग की ओर तेजी से अग्रसर है। सरकार का लक्ष्य केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक तक विकास का लाभ पहुँचाना है। सुशासन, पारदर्शिता, निवेश, अधोसंरचना, कृषि, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार और औद्योगिक विकास को केंद्र में रखकर राज्य में व्यापक परिवर्तन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नई औद्योगिक नीति, बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क, डिजिटल शासन, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस, किसानों और महिलाओं के हित में लागू योजनाएँ तथा बुनियादी सुविधाओं का विस्तार विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। राज्य सरकार का संकल्प है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित किया जाए। विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना और प्रत्येक क्षेत्र में संतुलित एवं समावेशी प्रगति सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वेनेजुएला से आए भारतीय नाविक के शव से गायब मिले दिल-दिमाग-फेफड़े समेत कई अंग, मौत का रहस्य गहराया

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। वेनेजुएला में मृत घोषित किए गए भारतीय नाविक के शरीर से आंतरिक अंगों के गायब होने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। 33 वर्षीय राकेश चौहान के शव से मस्तिष्क, हृदय, फेफड़ों समेत कई आंतरिक अंग गायब मिलने के बाद परिवार ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। वहीं फेडरेशन आफ सीफेरर्स यूनियंस आफ इंडिया (एफएसयूआइ) ने भी घटना को गंभीर बताते हुए वेनेजुएला के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने व भारतीय दूतावास के तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के लंगड़ा बाजार टोला निवासी राकेश चौहान नवंबर 2025 में एक्सफिनिटी कंपनी के माध्यम से मर्चेंट नेवी के एक जहाज पर चालक दल के सदस्य के रूप में वेनेजुएला गए थे।

स्वजन के अनुसार, मई 2026 में कंपनी ने उन्हें फोन पर बताया कि राकेश जहाज पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका उपचार चल रहा है। अगले दिन सुबह परिवार को उनकी हालत नाजुक बताते हुए बचने की संभावना महज पांच प्रतिशत होने की जानकारी दी गई और उसी शाम उनकी मृत्यु की सूचना दे दी गई।

कंपनी ने मृत्यु का कारण जहाज पर गिरने से आई गंभीर चोटें बताया और एक सप्ताह के भीतर शव भारत भेजने का आश्वासन दिया, लेकिन पार्थिव शरीर लगभग एक महीने चार जून को देवरिया पहुंचा। शव के पहुंचने पर डॉक्टरों की टीम ने परीक्षण किया। शुरुआती जांच में चिकित्सकों ने बताया कि शव का पहले ही पोस्टमार्टम किया जा चुका है, इसलिए बिना सक्षम आदेश के दोबारा पोस्टमार्टम संभव नहीं है। बाद में जिलाधिकारी के आदेश पर दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार, शव में मस्तिष्क, हृदय, दोनों फेफड़े, लीवर, दोनों गुर्दे, प्लीहा, अग्न्याशय, पेट और आंतें सहित कई प्रमुख आंतरिक अंग नहीं मिले।

इसके अलावा थायरायड, हायाइड, लैरिंक्स और ट्रेकिया भी अनुपस्थित थे। शरीर पर गर्दन से जघनास्थि तक लगभग 60 सेंटीमीटर लंबे चीरे पर 22 टांके व एक कान से दूसरे कान तक सिर के पीछे लगभग 20 सेंटीमीटर लंबे चीरे पर 21 टांके लगे मिले। रिपोर्ट में कहा गया कि सभी आंतरिक अंग गायब होने के कारण मौत का कारण निर्धारित नहीं किया जा सका।

राकेश के पिता रामदेव चौहान ने आरोप लगाया कि परिवार को पूरी घटना के बारे में अंधेरे में रखा गया। उनका कहना है कि पहले से हुए पोस्टमार्टम की कोई रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, संबंधित कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

फेडरेशन आफ सीफेरर्स यूनियंस आफ इंडिया ने एक्स के जरिये जारी बयान में कहा कि बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट व आवश्यक दस्तावेजों के शव भारत भेजा गया। संगठन ने इसे गंभीर मामला बताते हुए वेनेजुएला के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने, भारतीय दूतावास के तत्काल हस्तक्षेप, पूरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक करने, मौत की परिस्थितियों की विस्तृत जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को न्याय और उचित मुआवजा देने की मांग की है।

सीएमओ ने किया संचारी दस्तक अभियान का शुभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। को संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गंगाराम गौतम द्वारा टी बी चिकित्सालय परिसर से संचारी शपथ के उपरांत अंतर्विभागीय रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। संचारी रैली स्वास्थ्य विभाग, नगरपालिका परिषद जौनपुर, शिक्षा विभाग,कृषि विभाग, पशुपालन विभाग,सूचना विभाग आदि के अंतर्विभागीय सहयोग एवं समन्वय से टी बी चिकित्सालय परिसर से प्रारंभ होकर गांधी तिराहा तक जाकर पुनः टी बी चिकित्सालय परिसर में आकर समाप्त हुई। रैली में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ देवेन्द्र कुमार सिंह, अधिशासी अधिकारी धर्मराज राय,उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर निशा,कृषि विभाग से डॉ वीपी सिंह,नोडल अधिकारी वी बी डी डाक्टर अरुण कुमार यादव, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, डी सी पी एम खुबैब रजा, अर्बन कॉर्डिनेटर श्री प्रवीण पाठक,मलेरिया फाइलेरिया कार्यालय से सहायक मलेरिया अधिकारी श्री संजीव कुमार मिश्रा, श्री अशोक कुमार, श्री सुजीत प्रभाकर एवं समस्त स्टॉफ, टी बी चिकित्सालय कार्यालय से श्री सुशील अग्रहरि, श्री सलिल यादव एवं अन्य स्टॉफ, सफाई निरीक्षक श्री जितेंद्र सिंह मय वाहन एवं नगरपालिका स्टॉफ,कुंवर हरिवंश सिंह नर्सिंग इंस्टीच्यूट ऑफ पैरामेडिकल कॉलेज के स्टॉफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं।रैली में संचारी रोग जागरूकता नारे लगाए गए,संचारी रोग जागरूकता ऑडियो क्लिप के माध्यम से माईकिंग की गई साथ ही गाड़ियों पर बैनर लगवाया गया एवं जनसमुदाय में पोस्टर, पैम्फलेट वितरण कार्य भी कराया गया।

ससुराल में गोली मारकर पति ने की आत्महत्या, पत्नी के घर छोड़ने से उठाया खौफनाक कदम

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। गांव बिजलीघर में मंगलवार देर रात एक युवक ने ससुराल में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 35 वर्षीय महेश निवासी समस्तपुर, खुर्जा के रूप में हुई है। वह मंगलवार को अपनी ससुराल आया था।

इसी दौरान उसे जानकारी मिली कि उसकी पत्नी एक बार फिर घर छोड़कर चली गई है। इसके बाद वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गया।

स्वजन का आरोप है कि महेश की पत्नी का पड़ोस में रहने वाले एक युवक से प्रेम-प्रसंग था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। उनका कहना है कि पत्नी पहले भी दो बार घर छोड़कर जा चुकी थी और दो दिन पहले फिर चली गई थी। देर रात महेश कथित युवक के घर पहुंचा और वहीं तमंचे से खुद को गोली मार ली।

पुलिस ने शव को कब्जे में लिया

घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक विपिन चौधरी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला घरेलू विवाद और मानसिक तनाव से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, स्वजनों की तहरीर और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या, घर में नग्न अवस्था में मिला शव, लूट के बाद वारदात की आशंका

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के परीक्षितगढ़ क्षेत्र के रामनगर गांव में मंगलवार देर रात एक बुजुर्ग महिला की हत्या से सनसनी फैल गई। घर में अकेली रह रही 65 वर्षीय महिला का शव बुधवार सुबह उनके घर में मिला। पुलिस के अनुसार महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई है। घटनास्थल से जेवर गायब मिले हैं और घर में रखा संदूक भी खुला मिला, जिससे लूट के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है।

बुधवार सुबह करीब सात बजे गांव की कुछ महिलाएं वृद्धा के घर पहुंचीं। अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। महिला मृत अवस्था में चारपाई पर पड़ी थीं। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

जेवर गायब मिले, संदूक खुला मिला

पुलिस की प्रारंभिक जांच में महिला के कानों से सोने के कुंडल और गले से सोने का लॉकेट गायब मिला। घर में रखा संदूक भी खुला पड़ा था। शुरुआती आशंका है कि बदमाश लूटपाट के इरादे से घर में घुसे और पहचान उजागर होने के डर से वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने अभी किसी एक कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने जुटाए साक्ष्य

घटना की सूचना पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक दल और श्वान दस्ते ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले के शीघ्र खुलासे के लिए अपराध शाखा, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम गठित की है। अधिकारियों का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद रामनगर गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

शादी में जाने की थी तैयारी, उससे पहले हो गई वारदात

परिजनों के अनुसार फूल समुद्री को मंगलवार रात गांव खटकी में अपनी भतीजी की शादी में भात देने जाना था, लेकिन उससे पहले ही यह दर्दनाक घटना हो गई। उनका बड़ा बेटा परिवार सहित परीक्षितगढ़ के मवाऊ बस स्टैंड क्षेत्र में रहता है, जबकि छोटा बेटा संभल जिले में पुलिस विभाग में तैनात है। घटना के समय महिला घर में अकेली थीं।

सरकार के सौतेलेपन से बन्द हो रहे सीडा के कारखाने

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया में लगातार बंद होती जा रही औद्योगिक इकाइयों और व्याप्त अनियमितता के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सीडा कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। पार्टी के जिलाध्यक्ष डा0 प्रमोद कुमार सिंह ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सीडा औद्योगिक क्षेत्र से भाजपा सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है, सरकार के इस बदले की भावना वाली नीति के कारण यहां की फैक्ट्रियां या तो बंद हो जा रही है अथवा पलायन करने पर मजबूर हो रही है। डॉ परमेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सीडा की स्थापना कर युवाओं को रोजी रोजगार की व्यवस्था की थी किंतु आज मजबूरन ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को यहां से पलायन करना पड़ रहा है, । महिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष रेखा सिंह ने कहा कि सीडा परिसर में फैली गंदगी और जलजमाव के कारण मिल मालिकों, नौकरी करने वालों कामगारों और यहां के निवासियों को बहुत तकलीफ झेलना पड़ रहा है, प्रदेश सरकार यहा के मिल मालिकों को किसी भी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नहीं करा रही है। अनिल सिंह, जब्बार अली सलमानी, सुरेश गौंड, राजेंद्र गुप्ता मुन्नू , अरविन्द यादव, चंद्र शेखर शुक्ला, जय प्रकाश मिश्रा, विनय मिश्रा, तौसीफ अहमद राजू, राजेश दूबे, सुरेश दुबे, अतुल त्रिपाठी, लोकेश दुबे, सन्दीप सरोज, इकबाल हुसैन, मुहम्मद तातिर ने भी संबोधित किया।

सहारनपुर में आवारा कुत्तों के हमले में पांच साल के बच्चे की मौत, दुकान से खाने का समान लेने गया मासूम

आर्यावर्त संवाददाता

गागलहेड़ी (सहारनपुर)। हरोडा मुस्तहकम में परचून की दुकान से खाने का समान लेने गए साढ़े पांच वर्षीय अकदस को आवारा कुत्तों ने बुरी तरह काट कर गम्भीर घायल किया। बच्चे के चिल्लाने की आवाज पर भागे स्वजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। जहां से बच्चे को जिला अस्पताल रेफर किया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने बच्चे को मृत घोषित किया।

गागलहेड़ी क्षेत्र के गांव हरोडा मुस्तहकम निवासी जुबैर का साढ़े पांच वर्षीय पुत्र अक़दस बुधवार प्रातः पड़ोस के असलम की परचून की दुकान से खाने का समान लेने गया था। रास्ते मे अक़दस पर आवारा कुत्तों ने हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया।

बच्चे के चिल्लाने की आवाज पर दौड़े स्वजन बच्चे को सीएचसी हरोडा ले गए, जहां से डॉक्टर ने गम्भीर हालत को देखते हुए बच्चे को जिला अस्पताल रेफर किया। परन्तु जिला अस्पताल में भी बच्चे को नही बचाया जा सका।

मृत अकदस चार बहन भाईयो में तीसरे नंबर का था। अकदस से बड़ा अबुजर, जैद व छोटी बहन दो वर्षीय शिफा है। अकदस के पिता पैठ में कारोबार करने वालो के यहां नोकरी करते है। अक़दस के स्वजन का रो रोकर बुरा हाल है।

बुधवार प्रातः हुई हृदय विदारक घटना से ग्रामीण हतप्रभ हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले कुत्ते के काटने की जानकारी तो मिलती थी, परन्तु कुत्तों के हमले से बच्चे की मौत का पहला मामला है। निवर्तमान प्रधान सुलेमान, यूसुफ, अकरम आदि ने प्रशासन से आवारा कुत्तों से छुटकारा दिलाने की मांग की है।

ईंट मारकर ग्रामीण पर हमला, मौत

गागलहेड़ी : हसनपुर निवासी सतपाल की इलाज के दौरान पीजीआई पिलखनी में मौत हो गई। पुलिस ने हत्या की धारा बढ़ाते हुए हत्या के आरोपित भोज को गिरफ्तार कर लिया।

शनिवार प्रातः गांव हसनपुर निवासी सतपाल को गांव के भोज पुत्र अमरसिंह ने उस समय सिर में ईंट मारकर गम्भीर घायल कर दिया था, जब वह गांव के रामकिशन के घर चाय पीने गया था। सतपाल रामकिशन के यहां नौकरी करता था। गम्भीर घायल सतपाल को पीजीआई पिलखनी रेफर किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। सतपाल के भतीजे प्रदीप ने गांव के भोज पर उसके चाचा के सिर में रंजिश को लेकर ईंट मारकर गम्भीर घायल करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था।

जन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ, रात तक होगा संचालन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। आमजन की शिकायतों के त्वरित पंजीकरण और समयबद्ध निस्तारण के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को जन सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने फीता काटकर केन्द्र का उद्घाटन किया ।जिलाधिकारी ने बताया कि यह जन सुविधा केन्द्र प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक संचालित रहेगा। यहां प्राप्त शिकायतों का पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। केन्द्र के संचालन के लिए रोस्टरवार कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जबकि दोनों पालियों में पुलिस कर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। बताया कि शनिवार और रविवार को अवकाश के दौरान भूमि कब्जे जैसी शिकायतें अधिक आती हैं। ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज होते ही व्हाट्सएप के माध्यम से लेखपाल और कानूनगो को सूचना भेजी जाएगी, ताकि तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। आवश्यकता पड़ने पर दोनों पक्षों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि भूमि विवाद, अवैध कब्जा और अन्य संवेदनशील मामलों में संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगी । अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

पति को छोड़ प्रेमी के संग चली गई थी इलमा, वापस आते ही भाई ने मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र के रसूल नगर में मंगलवार की शाम करीब चार बजे 22 वर्षीय दिलशाद ने अपनी 19 वर्षीय बहन इलमा की दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह लोहिया नगर थाने पहुंचा और पुलिस से कहा कि बहन की लाश घर में पड़ी है, उसे उठा लो। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी अपनी बहन के चाल-चलन और प्रेम प्रसंग से नाराज था। इसी वजह से उसकी हत्या की है।

पुलिस के अनुसार पेशे से कारपेंटर सलीमुद्दीन रसूल नगर में परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा दिलशाद वेल्डिंग का काम करता है। बेटी इलमा का निकाह कुछ समय पहले श्याम नगर निवासी गुलफाम से हुआ था। पति-पत्नी में अनबन के चलते वह मायके में आकर रहने लगी थी।

मंगलवार की शाम करीब चार बजे दिलशाद लोहिया नगर थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसने अपनी बहन इलमा की हत्या कर दी है। उसकी बात सुनकर पुलिस तुरंत उसे साथ लेकर उसके घर पहुंची, जहां कमरे में इलमा का शव जमीन पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और घटनास्थल की जांच की।

बिना बताए चली जाती थी बाहर

दिलशाद ने पुलिस को बताया कि करीब दो वर्ष पहले भी इलमा को परिजनों ने लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के समर गार्डन निवासी एक युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था। उस समय परिवार के लोगों ने दोनों की पिटाई की थी। आरोपी ने बताया कि इलमा कई-कई दिनों तक बिना बताए घर से बाहर चली जाती थी। उसने कई बार विरोध किया लेकिन वह नहीं मानी। इसी बात से वह नाराज था और वारदात को अंजाम दिया।

पहले चौकी पहुंचा था आरोपी

हत्या के बाद आरोपी पहले बिजली बंबा पुलिस चौकी पहुंचा लेकिन वहां कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। इसके बाद वह लोहिया नगर थाने पहुंचा और पुलिस को वारदात की जानकारी दी। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ में दिलशाद ने बताया कि इलमा का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसका वह विरोध करता था। इसी बात पर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। मंगलवार की शाम को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। गुस्से में उसने दुपट्टे से इलमा का गला कसकर हत्या कर दी।

रविवार को प्रेमी के साथ घर से गई थी इलमा, घर लौटते ही भाई ने कर दी हत्या

मेरठ के लोहिया नगर थाना इलाके में बहन इलमा की हत्या के आरोपी दिलशाद ने पुलिस पूछताछ में कहा कि उसने परिवार की इज्जत के लिए बहन की हत्या की और उसे अपने किए का कोई पछतावा नहीं है। उसने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह इलमा अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। उसने परिवार की नाक कटवा दी थी इसलिए रविवार को जैसे ही वह घर लौटी उसने उसकी हत्या कर दी।

सीओ कोतवाली संग्राम सिंह ने बताया कि आरोपी ने बताया कि इलमा का दौराला निवासी एक युवक से प्रेम प्रसंग था। आरोपी और उसके परिवार से पूछताछ में सामने आया कि दिलशाद परिवार की इज्जत का हवाला देकर इलमा पर प्रेम प्रसंग खत्म करने का दबाव बना रहा था लेकिन वह प्रेमी से बातचीत करने की जिद पर अड़ी रहती थी और दिनभर फोन पर बात करती थी।

इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस के अनुसार दिलशाद ने कई बार फोन कर प्रेमी को जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस के मुताबिक रविवार सुबह करीब छह बजे इलमा अपने दौराला निवासी प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। दो दिन उसके साथ रहने के बाद वह मंगलवार को वापस घर लौटी। घर लौटने के कुछ ही समय बाद दिलशाद की उससे कहासुनी हुई और उसने दुपट्टे से गला कसकस उसकी हत्या कर दी।

घटना के समय घर में मां और अन्य परिजन मौजूद थे। हत्या के बाद आरोपी सीधे थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। दिलशाद का कहना था कि वह जेल जाने को तैयार है लेकिन परिवार की आन से समझौता नहीं करेगा। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले भी हत्या के प्रयास के मामले में शामिल रह चुका है।

छह महीने से मायके में रह रही थी इलमा

पुलिस के अनुसार 15 वर्ष की उम्र में इलमा का निकाह कर दिया गया था। करीब छह महीने पहले वह ससुराल से मायके आकर रहने लगी थी। दिलशाद ने पुलिस को बताया कि इलमा के घर के पास रहने वाले एक अन्य युवक से भी संबंध हो गए थे। पड़ोसियों ने इन संबंधों की जानकारी परिजनों को दी थी। इसके बाद परिवार ने उसे काफी समझाया और ससुराल लौटने के लिए कहा लेकिन उसने इनकार कर दिया।

स्वास्थ्य शिविर में उमड़ा जनसैलाब

जौनपुर। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर बुधवार को यश हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर रक्तचाप (बीपी), ब्लड शुगर तथा हड्डियों की मजबूती की जांच के लिए बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) टेस्ट कराया। शिविर में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अवनीश कुमार सिंह (एमबीबीएस, एमएस ऑर्थो) ने मरीजों की जांच कर उनकी रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक परामर्श दिया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया। शिविर में सैकड़ों मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि लोगों को समय-समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच अवश्य करानी चाहिए, क्योंकि कई बीमारियां शुरुआती चरण में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के होती हैं।

क्या शाकाहारी खाना भी 100 फीसद वेज है? आपकी थाली तक अनाज पहुंचाने में कौन चुका रहा है जान की कीमत

क्या शाकाहारी भोजन पूरी तरह अहिंसक है? वैज्ञानिकों के मुताबिक, आधुनिक खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कीटनाशक, रासायनिक खाद और खेतों की बाड़ हर साल दुनिया के करोड़ों वन्यजीवों, पक्षियों, मछलियों और छोटे जीवों की मौत का कारण बनती हैं। आइए जानते हैंखेती का पर्यावरण और जैव विविधता पर कितना बड़ा असर पड़ता है।

जब भी खाने से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान या जीव-हत्या की बात होती है, तो चर्चा अक्सर मांसाहार और कत्लखानों तक ही सीमित रहती है। इसलिए दुनिया भर में शाकाहारी और वीगन भोजन को पूरी तरह अहिंसक और क्रूरता-मुक्त माना जाता है। लेकिन क्या सचमुच हमारी थाली में आने वाले अनाज, सब्जियां और फल किसी भी जीव की मौत के बिना तैयार होते हैं?

वैज्ञानिकों, पर्यावरण विशेषज्ञों और खेती से जुड़ी कई स्टडीज के मुताबिक, आधुनिक कमर्शियल फार्मिंग (व्यावसायिक खेती) का असर सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं है। दुनिया भर में हर साल खेती की प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में वन्यजीव, पक्षी, मछलियां और दूसरे छोटे जीव मारे जाते हैं। यह मौतें जानबूझकर नहीं होतीं, लेकिन खेती में इस्तेमाल होने वाली हार्वेस्टिंग मशीनें, जहरीले कीटनाशक, रासायनिक खाद और खेतों की बाड़ लाखों-करोड़ों जीवों के लिए खतरा बन जाती हैं। आइए जानते हैं कि आधुनिक खेती का सबसे ज्यादा असर किन जीवों पर पड़ता है...

खेती में किन जीवों की सबसे ज्यादा मौत होती है?

1- मैदानी चूहे (करीब 730 करोड़)

खेती के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान छोटे स्तनधारी जीवों, खासकर चूहों को होता है। खेतों की जुताई, बुवाई और कटाई के समय ट्रैक्टर और कंबाइन हार्वेस्टर जैसी भारी मशीनें उनके बिलों के ऊपर से गुजरती हैं। इससे बड़ी संख्या में चूहे कुचल जाते हैं या कट जाते हैं।

2- पक्षी और उनके बच्चे (करीब 50 करोड़)

कई पक्षी खेतों और फसलों के बीच घोंसले बनाते हैं। जब फसल की कटाई होती है, तो उनके घोंसले और अंडे मशीनों की चपेट में आ जाते हैं। इसके अलावा, कीटनाशक लगे बीज खाने से भी बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत होती है।

3- खरगोश (करीब 30 करोड़)

दुनिया के कई देशों में किसान फसलों को नुकसान से बचाने के लिए खरगोशों को मारते हैं या उनका शिकार करते हैं। इससे हर साल करोड़ों खरगोश मारे जाते हैं।

4- छिपकलियां और मेंढक (करीब 15 करोड़)

छिपकलियों और मेंढकों की त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। खेतों में डाले जाने वाले कीटनाशक और खरपतवारनाशक इनके शरीर पर सीधा असर करते हैं। कई बार ये रसायनों के कारण धीरे-धीरे मर जाते हैं।

5- जंगली मछलियां (करीब 12 करोड़)

खेतों में इस्तेमाल होने वाले रसायन बारिश के साथ बहकर नदियों और झीलों में पहुंच जाते हैं। इसे विज्ञान की भाषा में 'एग्रीकल्चरल रनऑफ' कहा जाता है। इससे पानी की गुणवत्ता खराब होती है और बड़ी संख्या में मछलियां मर जाती हैं।

6- सांप और रेंगने वाले जीव (करीब 8 करोड़)

सांप खेतों में चूहों की संख्या नियंत्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन जुताई और कटाई के दौरान भारी मशीनों के नीचे आकर उनकी भी मौत हो जाती है।

7- हिरण और उनके बच्चे (करीब 40 लाख)

व्यावसायिक खेती में खेतों के चारों ओर ऊंची बाड़ लगाई जाती है। इससे हिरणों के प्राकृतिक रास्ते और चरने की जगह खत्म हो जाती है। कई बार वे बाड़ में फंस जाते हैं या भोजन की कमी से मर जाते हैं।

8। केंचुए और दूसरे लाभदायक कीट (खरबों)

मिट्टी को उपजाऊ बनाने में केंचुओं और दूसरे छोटे जीवों की बड़ी भूमिका होती है। लेकिन कीटनाशकों और रासायनिक खाद के कारण हर साल खरबों केंचुए और लाभदायक कीट मर जाते हैं। इससे मिट्टी की सेहत भी खराब होती है।

मछलियां क्यों मरती हैं?

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और कई वैज्ञानिक रिपोर्टों के मुताबिक, खेतों में डाले जाने वाले नाइट्रोजन और फॉस्फोरस जैसे रसायन बारिश के साथ नदियों और झीलों में पहुंच जाते हैं। इससे पानी में शैवाल बहुत तेजी से बढ़ने लगते हैं। शैवाल पानी की ऑक्सीजन खत्म कर देते हैं। ऑक्सीजन की कमी से मछलियां और दूसरे जलीय जीव दम घुटने से मर जाते हैं। इस प्रक्रिया को यूट्रोफिकेशन कहा जाता है। जिन इलाकों में ऑक्सीजन लगभग खत्म हो जाती है, उन्हें डेड जोन कहा जाता है।

इसका मतलब मांसाहार बेहतर है?

इन तथ्यों का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मांसाहार पर्यावरण के लिए बेहतर है। विशेषज्ञों का कहना है कि पशुपालन के लिए भी बड़ी मात्रा में अनाज और चारा उगाना पड़ता है। यानी खेती से होने वाला नुकसान वहां भी जुड़ा रहता है। इसलिए शाकाहार और मांसाहार की तुलना करने के बजाय खेती को ज्यादा सुरक्षित और टिकाऊ बनाने पर ध्यान देना जरूरी है।

समाधान क्या हो सकता है?

विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक खेती में बदलाव करके वन्यजीवों की मौत कम की जा सकती है। इसके लिए जैविक खेती, कम केमिकल्स का इस्तेमाल, वन्यजीव के अनुकूल मशीनें और बेहतर जल प्रबंधन जैसे उपाय अपनाने होंगे। ऐसी तकनीकें न सिर्फ पर्यावरण को बचाएंगी, बल्कि मिट्टी, पानी और जैव विविधता को भी लंबे समय तक सुरक्षित रखेंगी।

विज्ञान क्या कहता है?

यह बहस नई नहीं है। साल 2003 में अमेरिका की ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के पशु विज्ञान के प्रोफेसर स्टीवन डेविस ने एक चर्चित शोध प्रकाशित किया था। उन्होंने कहा था कि पूरी तरह शाकाहारी भोजन को भी शून्य-क्रूरता वाला नहीं कहा जा सकता, क्योंकि खेती के दौरान बड़ी संख्या में छोटे जीवों की मौत होती है। उन्होंने इसे सबसे कम नुकसान का सिद्धांत बताया।

कपड़ों की उम्र बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये आदतें, आज से ही अपनाएं

कपड़े रोजाना पहनने और धोने से खराब हो सकते हैं। ऐसे में कपड़ों को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए कुछ अच्छी आदतें अपनानी जरूरी हैं। कपड़ों को धोने से लेकर उन्हें स्टोर करने तक के तरीके में थोड़ी-सी सावधानी बरतने से कपड़ों की उम्र बढ़ाई जा सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताते हैं, जो आपके कपड़ों की उम्र को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

गर्म पानी का इस्तेमाल करके कपड़े धोने से उनमें लगे दाग-धब्बे अच्छे से साफ हो जाते हैं, लेकिन इससे कपड़े जल्दी खराब भी हो सकते हैं। गर्म पानी के कारण कपड़े जल्दी ढीले हो जाते हैं और उनका रंग भी फीका पड़ सकता है। इसलिए, कपड़े धोते समय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। इससे कपड़ों में लगे दाग-धब्बे भी अच्छे से साफ हो जाएंगे और कपड़े भी लंबे समय तक ठीक रहेंगे।

ज्यादा साबुन का न करें इस्तेमाल

कपड़े धोने के लिए ज्यादा साबुन का इस्तेमाल करना भी गलत है। इससे कपड़ों की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। दरअसल, ज्यादा साबुन के कारण कपड़े रूखे हो जाते हैं और उनकी चमक भी चली जाती है। इसके अलावा ज्यादा साबुन से कपड़ों की नाजुकता पर भी असर पड़ता है। इसलिए, हमेशा साबुन का इस्तेमाल करते समय उसकी मात्रा का ध्यान रखें और और अच्छी गुणवत्ता वाला विकल्प ही अपनाएं।

ज्यादा गर्मी से बचाएं

कपड़ों को सुखाने के लिए तेज हवा या तेज धूप का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे कपड़ों का रंग फीका पड़ सकता है और वे सिकुड़ भी सकते हैं। बेहतर होगा कि कपड़ों को प्राकृतिक तरीके से सुखाने पर जोर दें। इसके लिए आप उन्हें छांव में लटका सकते हैं या फिर किसी कोठरी में रख सकते हैं। इससे कपड़े न सिर्फ अच्छे से सूखेंगे, बल्कि उनका रंग भी बरकरार रहेगा।

इस्त्री करते समय नमी रखें

इस्त्री करते समय कपड़ों में थोड़ी नमी बरकरार रखें। इसके लिए आप स्प्रे बोतल का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर गीले कपड़ों को थोड़ी देर हवा में सुखाने के बाद इस्त्री करें। इससे कपड़े आसानी से इस्त्री होंगे और उनकी चमक भी बनी रहेगी। इसके अलावा नमी से कपड़ों के धागे भी मजबूत रहते हैं, जिससे वे लंबे समय तक ठीक रहते हैं। इस तरह आप अपने कपड़ों को नए जैसा बना सकते हैं।

बारिश में पेट की बीमारियां क्यों बढ़ जाती हैं?

बारिश के मौसम में अक्सर लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं होती रहती हैं। इसके पीछे की क्या वजहें हैं, आइए जानते हैं।

मानसून का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं अपने साथ कई स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है। इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला अंग हमारा पाचन तंत्र होता है। यही वजह है कि इस मौसम में फूड पॉइजनिंग, डायरिया, उल्टी, पेट दर्द, अपच और गैस जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं।

कई बार लोग हल्के लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों में इसका खतरा और अधिक होता है। ऐसे में मानूसन के दौरान विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। सही सावधानियां अपनाकर पेट के संक्रमण और उससे होने वाली गंभीर समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता है। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देंगे।

1. दूषित पानी का सेवन

मानसून के दौरान बारिश का पानी अक्सर सीवर और गंदे नालों के पानी के साथ मिल जाता है, जिससे पेयजल स्रोत दूषित हो सकते हैं। ऐसे पानी में बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी मौजूद होते हैं, जो शरीर में पहुंचकर डायरिया, हैजा, टाइफाइड और पेट के संक्रमण जैसी बीमारियों का कारण बनते हैं। इसलिए हमेशा उबला हुआ, फिल्टर किया हुआ या सुरक्षित पैक्ड पानी ही पीना चाहिए।

2. खुले में बिकने वाला खाना

बारिश के मौसम में सड़क किनारे बिकने वाला खाना नमी और गंदगी के कारण जल्दी खराब हो सकता है। मक्खियां और धूल-मिट्टी खाने को दूषित कर देती हैं, जिससे उसमें हानिकारक बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ऐसे भोजन का सेवन करने से फूड पॉइजनिंग, उल्टी, दस्त, पेट दर्द और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में ताजा और घर का बना भोजन सबसे सुरक्षित माना जाता है।

3. कच्ची या अधपकी चीजें खाना

मानसून में कच्ची या अधपकी सब्जियां, मांस, अंडे और सी-फूड खाने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इनमें मौजूद बैक्टीरिया और परजीवी पूरी तरह नष्ट नहीं हो पाते और पेट में पहुंचकर गंभीर संक्रमण पैदा कर सकते हैं। फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही खाएं और सभी खाद्य पदार्थों को पूरी तरह पकाकर सेवन करें।

4. कमजोर इम्यूनिटी

जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जैसे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोग, उनमें पेट के संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। कमजोर इम्यून सिस्टम बैक्टीरिया और वायरस से प्रभावी ढंग से लड़ नहीं पाता, जिससे संक्रमण जल्दी फैल सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और नियमित व्यायाम इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

पेट के संक्रमण के लक्षण

पेट दर्द और मरोड़
दस्त (डायरिया)
उल्टी और मतली
बुखार
गैस और अपच
कमजोरी और डिहाइड्रेशन

बचाव के उपाय

केवल उबला या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं।
ताजा और घर का बना भोजन करें।
कटे हुए फल और खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचें।
खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोएं।
फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही खाएं।
लगातार उल्टी, दस्त या तेज बुखार होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

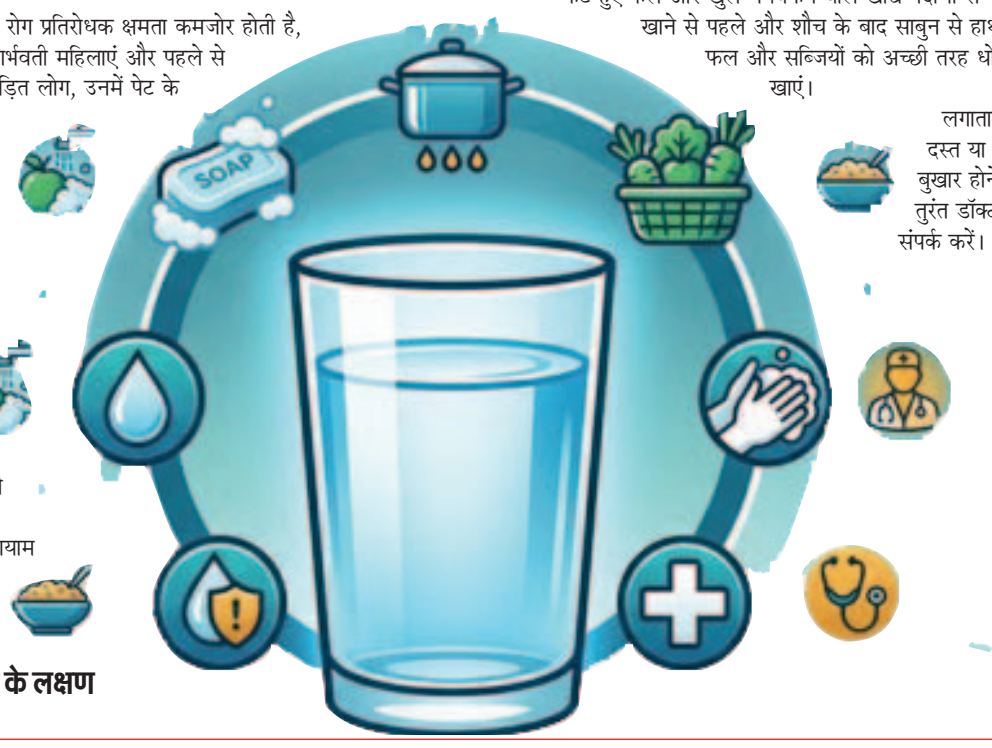

इनकम टैक्स रिटर्न की डेडलाइन में बदलाव, इन लोगों को मिला ज्यादा समय, नोट कर लें अपनी लास्ट डेट

इनकम टैक्स विभाग ने रिटर्न फाइलिंग की तारीखों में बड़ा बदलाव किया है। नौकरीपेशा लोगों के लिए ITR भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई ही रहेगी, लेकिन बिना टैक्स ऑडिट वाले छोटे कारोबारियों को अब 31 अगस्त तक की मोहलत मिली है। इसके अलावा, रिटर्न की गलती सुधारने का समय भी बढ़ाकर अब 31 मार्च 2027 कर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 (असेसमेंट ईयर 2026-27) के लिए सरकार ने टैक्स फाइलिंग कैलेंडर में बड़ा फेरबदल किया है। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपके लिए नियम पहले जैसे ही हैं, लेकिन बिना टैक्स ऑडिट वाले छोटे कारोबारियों तथा प्रोफेशनल्स को रिटर्न दाखिल करने के लिए एक महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है। इसके अलावा, अगर रिटर्न भरते समय कोई गलती हो जाती है, तो उसे सुधारने के लिए भी अब पहले के मुकाबले ज्यादा मोहलत मिलेगी।

किसको मिली राहत, किसके लिए नियम पुराने?

नए शेड्यूल के तहत सबसे बड़ा बदलाव ITR-3 तथा ITR-4 दाखिल करने वालों के लिए किया गया है। ऐसे छोटे कारोबारी, फ्रीलांसर या पेशेवर जिनकी आय पर टैक्स ऑडिट लागू नहीं होता, वे अब 31 जुलाई की जगह 31 अगस्त 2026 तक अपना रिटर्न जमा कर सकेंगे। अक्सर फ्रीलांसर्स की बैलेंस शीट फाइनल होने में समय लगता है, ऐसे में यह अतिरिक्त महीना उनके लिए संजीवनी का काम करेगा। वहीं, सैलरीड क्लास, पेंशनर्स तथा कैपिटल गेन्स वाले टैक्सपेयर्स जो ITR-1 व ITR-2 फॉर्म भरते हैं, उनके लिए 31 जुलाई की पुरानी डेडलाइन ही बरकरार रखी गई है।

गलतियों को सुधारने की एक्स्ट्रा मोहलत

रिटर्न दाखिल करते समय कई बार सेक्शन 80C के तहत छूट क्लेम करना छूट जाता है, या फिर ब्रोकर्स से मिले लेट स्टेटमेंट के कारण कैपिटल गेन का सही आंकड़ा दर्ज नहीं हो पाता। पहले ऐसे 'रिवाइज्ड रिटर्न' (Revised Return) को भरने की आखिरी तारीख असेसमेंट ईयर के 31 दिसंबर तक ही होती थी। अब इनकम टैक्स विभाग ने इस समयसीमा को बढ़ाकर 31 मार्च 2027 कर दिया है। इसका सीधा मतलब है कि अगर आपके एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट (AIS) में कोई मिसमैच है, तो उसे सुधारने के लिए आपके पास पूरे तीन महीने का अतिरिक्त समय होगा।

10,000 से अधिक ऑनलाइन पैसे भेजने पर लग सकता है एक घंटे का 'कूलिंग-ऑफ', आरबीआई बदलने जा रही नियम

देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन ठगी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (क्रक्चढ्ढ) नए सुरक्षा उपायों पर विचार कर रहा है। प्रस्ताव के अनुसार, यदि कोई ग्राहक 10,000 से अधिक का ऑनलाइन ट्रांसफर करता है, तो उस लेन-देन को पूरा होने से पहले एक घंटे का अनिवार्य 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' लागू किया जा सकता है। इस दौरान ग्राहक चाहे तो संदिग्ध लेन-देन को रोक या रद्द भी कर सकेगा।

आरबीआई का मानना है कि यह व्यवस्था उन मामलों में प्रभावी साबित होगी, जहां साइबर अपराधी लोगों को डराकर, झांसा देकर या दबाव बनाकर तुरंत पैसा ट्रांसफर करवाते हैं। ऐसे मामलों को बैंकिंग क्षेत्र में ऑथराइज्ड पुश पेमेंट फ्रॉड कहा जाता है।

बैंकों ने किया समर्थन, लेकिन जताई चिंता

बैंकिंग उद्योग ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे डिजिटल धोखाधड़ी पर काफी हद तक रोक लग सकती है। हालांकि, बैंकों ने यह भी सुझाव दिया है कि नियमों को व्यावहारिक बनाया जाए ताकि आम ग्राहकों को रोजमर्रा के भुगतान में अनावश्यक परेशानी न हो। बैंकों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति दुकान पर महंगा मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान या अन्य जरूरी वस्तु खरीद रहा हो, तो उसे भुगतान पूरा होने के लिए एक घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है। इसलिए इस व्यवस्था में कुछ विशेष परिस्थितियों के लिए छूट या लचीलापन होना चाहिए।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' का प्रस्ताव

आरबीआई ने 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए भी नई व्यवस्था का सुझाव दिया है। प्रस्ताव के मुताबिक, यदि ऐसे ग्राहक 50,000 से अधिक का डिजिटल भुगतान करते हैं, तो पहले से नामित 'ट्रस्टेड पर्सन' यानी भरोसेमंद व्यक्ति की मंजूरी लेना अनिवार्य किया जा सकता है। यदि ग्राहक भविष्य में इस भरोसेमंद व्यक्ति को बदलता है, तो नए व्यक्ति के सक्रिय होने से पहले 24 घंटे का कूलिंग-ऑफ पीरियड भी लागू करने का सुझाव दिया गया है, ताकि धोखाधड़ी की आशंका कम की जा सके।

आपातकालीन भुगतान में आ सकती है दिक्कत

हालांकि बैंकों ने इस पहल की मंशा की सराहना की है, लेकिन इसके व्यावहारिक पहलुओं को लेकर चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि यदि कोई वरिष्ठ नागरिक अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर या किसी अन्य आपात स्थिति में भुगतान करना चाहता है और उस समय नामित व्यक्ति उपलब्ध नहीं है, तो जरूरी भुगतान में देरी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है।

बैंकों पर बढ़ेगा तकनीकी और वित्तीय बोझ

इस नई प्रणाली को लागू करने के लिए बैंकों को अपने डिजिटल पेमेंट सिस्टम में व्यापक बदलाव करने होंगे। इसके लिए ट्रांजैक्शन होल्ड सिस्टम, भुगतान रद्द करने की सुविधा, नई सेटलमेंट प्रक्रिया और अतिरिक्त तकनीकी ढांचे का विकास करना होगा, जिससे बैंकों पर भारी लागत आएगी। बैंकिंग क्षेत्र का कहना है कि पहले से ही यूपीआई पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (रूष्ठक्र) लागू होने के कारण उन्हें डिजिटल भुगतान सेवाओं से कोई प्रत्यक्ष आय नहीं होती, जबकि पूरे डिजिटल भुगतान ढांचे को बनाए रखने और विस्तार देने में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं।

वैश्विक अनुभवों के आधार पर तैयार हुआ प्रस्ताव

आरबीआई ने यह मसौदा ब्रिटेन, सिंगापुर, स्वीडन, अमेरिका और आयरलैंड जैसे देशों में लागू डिजिटल सुरक्षा उपायों का अध्ययन करने के बाद तैयार किया है। फिलहाल यह केवल एक डिस्कशन पेपर (चर्चा पत्र) के रूप में जारी किया गया है और इस पर बैंकों तथा अन्य संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे गए हैं। बैंकों को उम्मीद है कि अंतिम दिशा-निर्देश तैयार करते समय साइबर सुरक्षा के साथ-साथ ग्राहकों की सुविधा और भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान तंत्र की जरूरतों के बीच संतुलन बनाया जाएगा।

'जरूरत पड़ी तो ईरान पर फिर करेंगे हमला', अमेरिका-तेहरान शांति वार्ता के बीच पीएम नेतन्याहू की खुली चेतावनी

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के बीच दोस्ती जगजाहिर है। लेकिन ईरान के साथ संघर्ष और शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत से इजराइल की अमेरिका से दूरी बनती दिख रही है। हालत यह हो गई है कि अमेरिका के साथ इजराइल के रिश्ते सामान्य नहीं रह गए हैं। दोनों के बीच तल्खी दिख रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि अब हमें अमेरिका की मदद नहीं चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो हम तीसरी बार भी ईरान में घुसेंगे।

अपने देश की सशक्त आर्थिक आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए, इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी आर्थिक मदद को खत्म करने के मकसद से एक बड़ी नीतिगत बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने

कहा कि हमारे देश की मजबूत अर्थव्यवस्था को अब किसी विदेशी मदद की जरूरत नहीं है। वाशिंगटन के साथ वित्तीय संबंधों पर बात करते हुए पीएम नेतन्याहू ने कहा, "मैं अमेरिकी मदद बंद करना चाहता हूं। यह कल्याणकारी मदद की तरह है। मुझे यह नहीं चाहिए।"

हमारी अर्थव्यवस्था अब छोटी नहीं रही : PM नेतन्याहू

पीएम नेतन्याहू ने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल की मौजूदा आर्थिक स्थिति मजबूत होने के कारण बाहरी फंडिंग न के बराबर है। उन्होंने कहा, "हमारी अर्थव्यवस्था अब छोटी अर्थव्यवस्था नहीं रही। हम अमेरिका से मिलने वाली अपनी GDP के एक छोटे से हिस्से से खुद को फंड कर सकते हैं। मैं चाहता हूं कि यह प्रक्रिया इसी साल से शुरू कर दी जाए।"

प्रधानमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय और संप्रभुता से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। फिलिस्तीन को देश का दर्जा दिए जाने के प्रति अपनी सरकार के कड़े विरोध को फिर से दोहराया। उन्होंने कहा, "इजराइल यहूदी लोगों का देश है। यहां कोई फिलिस्तीनी राज्य नहीं बनेगा।" उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा पर आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि सेना बाहरी दुश्मनों के खिलाफ सक्रिय रुख बनाए रखेगी। उन्होंने कहा, "हम एक सक्रिय सुरक्षा नीति अपनाएंगे – हम बस बाड़ के पीछे बैठकर इंतजार नहीं करेंगे।"

... तीसरी बार भी ईरान पर हमला करेंगे : नेतन्याहू

क्षेत्रीय खतरों के खिलाफ इजराइल के लगातार अभियानों का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने तेहरान के परमाणु और सैन्य बुनियादी ढांचे के खिलाफ सीमा-पार पहले से हमला करने की सीधी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, "हम खुद को बर्बादी से बचाने के लिए 2 बार ईरान के अंदर घुसे। अगर जरूरत पड़ी तो हम तीसरी बार भी ऐसा ही करेंगे।"

लेबनान को लेकर नेतन्याहू ने यह भी पुष्टि की कि इजराइली रक्षा बल दुश्मन गुटों का मुकाबला करने के लिए लेबनान के इलाके में अपनी ऑपरेशनल स्थिति बनाए रखेंगे। उन्होंने समझाया, "हमने अभी लेबनान नहीं छोड़ा है। हमने लेबनान सरकार की सहमति से उस देश के अंदर करीब 10 किलोमीटर तक एक सुरक्षा घेरा बनाया है। लेकिन इस वजह से हिज़्बुल्लाह खासा नाराज है। ईरान का भी यही हाल है।"

उत्तरी क्षेत्र में सैनिकों की तैनाती का जायजा लेने के दौरान, पीएम नेतन्याहू ने दोहराया कि जब तक सीमा-पार के खतरों को खत्म नहीं कर दिया जाता, तब तक वहां पर सेना की मौजूदगी बनी रहेगी। उन्होंने वहां मौजूद सैनिकों से कहा, "हमारा रुख साफ है। जब तक खतरा खत्म नहीं हो जाता, हम दक्षिणी लेबनान नहीं छोड़ने जा रहे। हिज़्बुल्लाह हथियारबंद होकर यहां मौजूद है और हमें धमका रहा है, ऐसे में हम यहीं पर बने रहेंगे।"

गाजा पट्टी में इजराइली बस्तियों के बसाने पर चुप्पी

साथ ही उनकी ओर से यह घोषणा बेरूत और तेल अवीव के बीच वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुए एक फ्रेमवर्क समझौते पर हाल ही में हस्ताक्षर के बाद की गई है, जिसका मकसद लंबे समय तक स्थिरता कायम करना और ईरान समर्थित शिया मिलिशिया का सैन्यीकरण खत्म करना है। राजनयिक समझौते की शर्तों के तहत, इजराइली सुरक्षा बलों द्वारा सैनिकों की किसी भी संभावित वापसी का दारोमदार पूरी तरह से इस बात पर है कि लेबनान सरकार सफलतापूर्वक ऐसे विशेष ऑपरेशनल क्षेत्र स्थापित करे जहां देश की सेना सुरक्षा का नियंत्रण अपने हाथ में ले ले।

हालांकि जब गाजा पट्टी में इजराइली बस्तियों को फिर से बसाने की संभावना से जुड़ा सवाल पूछा गया, तो प्रधानमंत्री ने सोची-समझी कूटनीतिक चुप्पी साधे रखी। उन्होंने कहा, "गाजा में बस्तियों को फिर से बसाने के मामले में, आपको पहले काम करने और बाद में बात करने के लिए तैयार रहना होगा। कभी-कभी दोनों को अलग रखना बेहतर होता है। इसीलिए मैं इस विषय पर और कुछ नहीं कहूंगा।"

अफगानिस्तान का पाकिस्तान में जवाबी हमला, आईएसआईएस ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक

काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने दावा किया है कि उसकी एयरफोर्स ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर ISIS (इस्लामिक स्टेट) के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। यह हमला पाकिस्तान की ओर से दो दिन पहले किए गए एयरस्ट्राइक के जवाब में हुआ है। तालिबान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह कार्रवाई पाकिस्तान के बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में की गई। तालिबान का कहना है कि इन ठिकानों से अफगानिस्तान में आम लोगों पर आतंकी हमलों की योजना बनाई जा रही थी।

तालिबान सरकार के मुताबिक, यह हमला पूरी सटीकता के साथ किया गया। इसमें कई ISIS लड़ाके मारे गए और उनके ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा। तालिबान का दावा है कि इस कार्रवाई में किसी भी आम नागरिक की जान नहीं गई। काबुल ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी अफगानिस्तान की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी ठिकाने पर हमला किया जाएगा।

पाकिस्तान ने भी कहा कि उसकी एयर डिफेंस ने बलूचिस्तान में भेजे गए चार अफगानी ड्रोन हवा में ही मार गिराए। पाकिस्तान आर्मी ने कहा कि सुरक्षा बलों ने सभी ड्रोन का समय रहते पता लगा लिया और आधुनिक तकनीक से उन्हें नष्ट कर दिया। साथ ही कहा कि तालिबान की ऐसी गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाई से अफगानिस्तान के लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी।

पाकिस्तान ने रविवार को अफगानिस्तान सीमा के पास कई जगहों पर हवाई हमले किए थे। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (UNAMA) के मुताबिक इन हमलों में कम से कम 28 नागरिक मारे गए और 49 लोग घायल हुए। हालांकि अफगानिस्तान का दावा है कि पाकिस्तान के हमले रिहायशी इलाकों पर हुए। काबुल के अनुसार इन हमलों में 36 लोगों की मौत हुई और 160 से ज्यादा लोग घायल हुए।

तालिबान ने पाकिस्तान की कार्रवाई को कायराना हमला बताया। वहीं पाकिस्तान का कहना है कि उसने केवल आतंकियों को निशाना बनाया, आम नागरिकों को नहीं। दोनों देशों के बीच यह तनाव ऐसे समय बढ़ा है, जब पिछले साल अक्टूबर में कई हफ्तों तक चली हिंसा के बाद दोनों ने सीजफायर पर सहमति जताई थी। इससे पहले 16 मार्च को पाकिस्तान ने पूर्वी काबुल में ओमिद ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर पर भी हवाई हमला किया था। यह 2,000 बेड वाला सेंटर था। अफगानिस्तान की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, हमले में 408 लोगों की मौत और 265 लोग घायल हुए थे। इनमें ज्यादातर इलाज करा रहे मरीज थे।

सबसे बड़े जश्न के रंग में भंग डालेगी गर्मी, अमेरिका में इस हफ्ते आने वाली है खतरनाक हीटवेव

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूरोप के बाद अमेरिका में भी खतरनाक हीटवेव का खतरा मंडरा रहा है। इस हफ्ते लोगों को यहां प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। यह गर्मी अमेरिका के सबसे बड़े जश्न के रंग में भंग डालने वाली है। राष्ट्रीय मौसम सेवा (NWS) ने इसको लेकर चेतावनी जारी की है। एनडब्ल्यूएस ने कहा है कि अमेरिका के बड़े हिस्से में बहुत तेज गर्मी की लहर आएगी। लू चलने की भी संभावना है।

इससे करीब 12 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। NWS ने कहा कि दिन में भारी गर्मी पड़ेगी, हवा में नमी ज्यादा रहेगी और रात में भी इतनी गर्मी होगी कि सांस लेना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, यह सब ठीक 4 जुलाई की छुट्टियों के समय हो रहा है। अमेरिका में 4 जुलाई को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस दिन

अमेरिका में राष्ट्रीय अवकाश रहता है। अमेरिकी इस दिन को 1776 में ब्रिटेन से आजादी के रूप में मनाते हैं।

कनाडा के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार से ही तेज गर्मी शुरू हो गई है। ओंटारियो में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अमेरिका में पूर्वी तट से लेकर देश के बीच वाले इलाकों तक बड़े क्षेत्र में यह तेज गर्मी पड़ने वाली है। एनडब्ल्यूएस के मुताबिक, कल यानी गुरुवार तक मिडवेस्ट और मिसिसिपी घाटी में गर्मी अपने चरम पर पहुंच जाएगी।

यह तेज गर्मी गुरुवार और छुट्टियों के वीकेंड में आगे बढ़कर ओहियो घाटी और पूर्वी तट की ओर जाएगी। तापमान 35 से 40 16 डिग्री सेल्सियस तक रहने वाला है। इससे पहले यूरोप में भी भयंकर गर्मी पड़ी थी। कई देशों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी दर्ज की गई।

टूट सकते हैं कई पुराने रिकॉर्ड

नमी ज्यादा होने से हीट इंडेक्स 100 से 115 फारेनहाइट (38C-46C) तक पहुंच सकता है, जो काफी खतरनाक है। गुरुवार और शुक्रवार को कई जगहों पर पुराने तापमान के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। कुछ जगहों पर सबसे ज्यादा गर्मी का रिकॉर्ड भी टूटने की आशंका है। वहीं, न्यूयॉर्क सिटी में मेयर जोहरान ममदानी ने इमरजेंसी प्लान शुरू कर दिया है। पूरे शहर में सैकड़ों कूलिंग सेंटर खोल दिए गए हैं। डेट्रॉइट शहर में भी तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, इसलिए वहां कई एंटरटेनमेंट सेंटर एयर कंडीशनर के साथ खोल दिए गए हैं।

यूरोप में गर्मी से मचा हाहाकार

इस वक्त यूरोप में भी गर्मी से हाहाकार मचा हुआ है। कई देशों में तापमान के रिकॉर्ड टूट गए। ठंडे माने जाने वाले देशों में पारा 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इस चिलचिलाती गर्मी ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। अब तक 1300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले फ्रांस में 1000 लोगों की जान गई है। मरने वालो में ज्यादातर बुजुर्ग हैं, जिनकी उम्र 65 साल और उससे ज्यादा थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खतरनाक हीटवेव जलवायु परिवर्तन और अल नीनो के प्रभाव का नतीजा है।

डिजिटल सुरक्षा पर केंद्र सरकार सख्त, गड़बड़ी पर व्हाट्सएप-टेलीग्राम जैसी सोशल मीडिया कंपनियों पर एक्शन की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में डिजिटल का बढ़ता क्षेत्र जहां एक ओर काम को आसान और पारदर्शी बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। वहीं दूसरी ओर इससे साइबर अपराध बढ़ने का खतरा भी सातवें आसमान पर है। कारण है कि भारत में सरकारी सेवाएं, परीक्षाएं और जन-कल्याणकारी योजनाएं लगातार डिजिटल हो रही हैं।

ऐसे में अब केंद्र सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। केंद्र ने साफ कर दिया है कि साइबर सुरक्षा अब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि दुनिया का कोई भी डिजिटल सिस्टम हमेशा के लिए 100% सुरक्षित नहीं हो सकता। हाल ही में सरकारी डिजिटल सिस्टम्स को लेकर

बढ़ी चिंताओं और NEET-UG की दोबारा परीक्षा के दौरान टेलीग्राम पर की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने यह बात कही। बता दें कि परीक्षा के दौरान धोखाधड़ी और पेपर लीक के फर्जी दावों को रोकने के लिए सरकार ने कुछ समय के लिए टेलीग्राम पर पाबंदियां लगाई थीं और उसके 'मेसेज एडिट' करने वाले फीचर को बंद कर दिया था।

सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जब आपके पास इतना बड़ा डिजिटल ढांचा होता है, तो सारा डेटा एक जगह इकट्ठा हो जाता है। ऐसे में साइबर हमलों का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए सुरक्षा के इंतजाम सिस्टम बनाने के पहले दिन से ही होने चाहिए, न कि नुकसान होने के बाद।

इसके अलावा सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि अगर किसी भी मैसेजिंग एप के नए फीचर की वजह से धोखाधड़ी या फ्रॉड बढ़ता है, तो इसकी जिम्मेदारी खुद उस कंपनी की होगी। इसका कारण है कि जब व्हाट्सएप के आने वाले नए यूजरनेम फीचर की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछा गया, तो अधिकारी ने दो टूक कहा कि चिंता व्हाट्सएप को होनी चाहिए, हमें नहीं। सरकार ने चेतावनी दी है कि चाहे यूजरनेम हो, एडिट मेसेज हो या नकली ग्रुप बनाकर किसी की पहचान चुराना हो। अगर किसी भी फीचर का गलत इस्तेमाल हुआ, तो टेलीग्राम की तरह ही सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले पर व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने कहा कि उनका नया 'यूजरनेम' फीचर लोगों की प्राइवेसी को बढ़ाने के लिए है, सुरक्षा कम करने के लिए नहीं। कंपनी ने दावा किया कि उन्होंने धोखाधड़ी रोकने के लिए कई सुरक्षा इंतजाम किए हैं, जैसे कोई बार-बार किसी का यूजरनेम गेस नहीं कर पाएगा और मशहूर हस्तियों, सरकारी विभागों या वीआईपी लोगों के नाम वाले यूजरनेम सुरक्षित रखे जाएंगे ताकि कोई उनका गलत इस्तेमाल न कर सके। हालांकि व्हाट्सएप प्रवक्ता के दलील के बाद भी सरकारी अधिकारियों ने अपना सख्त रुफ करते हुए कहा कि वे कंपनियों के दावों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखने वाले नतीजों के आधार पर फैसला करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय (MeitY) के अधिकारियों ने बताया कि सरकार साइबर कमियों को दूर करने के लिए इंसानी और तकनीकी, दोनों ताकतों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि आम लोगों और कर्मचारियों द्वारा रखे जाने वाले कमजोर पासवर्ड, डिवाइस के इस्तेमाल में लापरवाही और ढीली सुरक्षा सबसे बड़ा जोखिम हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने अंत में कहा कि मैं कभी नहीं कहूंगा कि हम 100% साइबर सुरक्षित हैं। यह एक ऐसी लड़ाई है जिसमें हमें हर पल सतर्क रहना होगा।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में फटा बादल : फसलें, बाग-बगीचे और संपत्ति को भारी नुकसान, मलबा आने से कई सड़कें हुईं बंद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भारी बारिश और बादल फटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्राकृतिक आपदा के कारण व्यापक स्तर पर फसलों, बाग-बगीचों और निजी संपत्ति को हानि पहुंची है। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। डोडा जिले के भलेसा के खलजुगासर इलाके में बादल फटने की घटना हुई। इससे अचानक आई बाढ़ ने कृषि भूमि को बुरी तरह प्रभावित किया है। किसानों की खड़ी फसलें और फलदार बाग-बगीचे पूरी तरह बर्बाद हो गए। कई मकानों और अन्य निजी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है।

भारी बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कें बंद हो गईं। इससे भलेसा का भट्यास इलाका घंटों तक शेष क्षेत्रों से कटा रहा। डोडा जिले के कश्तीगढ़ क्षेत्र में भी मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के कारण यहां अचानक बाढ़ की स्थिति बन गई। हालांकि, कश्तीगढ़ में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

बादल फटने से क्षेत्र में कई जल स्रोत उफान पर आ गए। इससे निचले इलाकों में पानी भर गया और मिट्टी का कटाव भी हुआ। सड़कों के बंद होने से आवश्यक सेवाओं की आवाजाही बाधित हुई। स्थानीय लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने सड़कों को खोलने के लिए मशीनरी लगाई है।

मोरक्को की जीत पर खुशी से झूमीं नोरा फतेही, स्टेडियम में मनाया जश्न, पोस्ट कर लिखा- ऐतिहासिक मैच

फीफा विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। फैंस अपनी पसंदीदा टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड्स को मोरक्को ने हराया है। इस जीत का जश्न बॉलीवुड डांसर नोरा फतेही भी मना रही हैं। जानिए, क्या है उनका मोरक्को से खास कनेक्शन?

मोरक्को की फुटबॉल टीम ने फीफा वर्ल्डकप में धमाल मचा दिया, नीदरलैंड्स की टीम को हराकर अपने फैंस को जश्न मनाने का शानदार मौका दिया। इस जश्म में बॉलीवुड की मशहूर डांसर, एक्ट्रेस नोरा फतेही भी शामिल हुईं। वह स्टेडियम में मोरक्को की जीत के बाद अपनी खुशी को जाहिर कर रही थीं। मंगलवार को एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी उन्होंने मोरक्को फुटबॉल टीम के लिए साझा की हैं। आखिर मोरक्को के लिए नोरा के दिल में इतना प्यार क्यों है? यहां जानिए।

मोरक्को से नोरा फतेही का खास कनेक्शन

नोरा फतेही 2014 से बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। बतौर एक्ट्रेस, डांसर, सिंगर वह काम कर रही हैं। वैसे तो नोरा का जन्म और पालन-पोषण कनाडा के टोरंटो में हुआ था। लेकिन उनके पिता और मां दोनों ही मोरक्कन मूल की हैं। इस तरह से नोरा फतेही की जड़ें भी जाकर मोरक्को से जुड़ती हैं। यही वजह है कि वह मोरक्को की फुटबॉल टीम की जीत का जश्न मना रही हैं।

मोरक्को की जीत को नोरा ने बताया ऐतिहासिक

नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मोरक्को टीम की जीत का जश्न मना रही हैं। अपनी खुशी को जाहिर कर रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'एक ऐतिहासिक मैच, जिसने सभी की धड़कनें बढ़ा दीं। मोरक्को टीम को राउंड ऑफ 32 का रोमांचक मुकाबला जीतने पर बधाई। यह फुटबॉल का बेहतरीन चेहरा है। वाकई फीफी वर्ल्ड कप जादुई चीज है।' बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को खेला जाएगा। फुटबॉल फैंस को इस दिन का बेसब्री से इंतजार है।

यश की 'टॉक्सिक' से सामने आया अभिनेत्रियों का धमाकेदार लुक, नयनतारा से लेकर कियारा का दिखा अनोखा अंदाज

निर्देशक गीतू मोहनदास की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' से आज सभी अभिनेत्रियों की खास झलक सामने आई है। इसमें नयनतारा के एक्शन अवतार से लेकर कियारा आडवाणी का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला।

साउथ स्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' इस साल 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसकी रिलीज से पहले आज निर्माताओं ने फिल्म की एक खास झलक साझा की है, जिसमें फिल्म की सभी मुख्य अभिनेत्रियों की खास झलक साझा की है।

'टॉक्सिक' की खास झलक

आज 'टॉक्सिक' के निर्माताओं ने फिल्म की खास झलक साझा की है। यह खास झलक एक चेतावनी के साथ शुरू होती है, जिसमें लिखा होता है- 'पेरेंट्स, ग्रैंड पेरेंट्स और ग्रेट ग्रैंड पेरेंट्स अपने बच्चों को दूर रखें'। इसके बाद सबसे पहले समुद्र किनारे कियारा का ग्लैमरस लुक दिखाया जाता है। फिल्म में कियारा, नादिया के किरदार में नजर आएंगी।

नयनतारा का एक्शन अवतार

इस फिल्म में नयनतारा, गंगा का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में नयनतारा अभिनेता यश की बहन के किरदार में नजर आएंगी। आज फिल्म की खास झलक में नयनतारा बाइक पर एक्शन अवतार में नजर आईं।

हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी इस फिल्म में एलिजाबेथ का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में हुमा खलनायक की भूमिका में नजर आएंगी। ब्लैक ड्रेस में हुमा का दिलफेंक अंदाज प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है।

रुक्मिणी वसंत

साउथ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इस फिल्म में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। आज इस खास झलक में रुक्मिणी एक्शन करते नजर आईं। फिल्म के एक सीन में रुक्मिणी किसी के ऊपर बंदूक ताने गुस्से में नजर आ रही हैं।

तारा सुतारिया

इस फिल्म में तारा सुतारिया, रेबेका के किरदार में नजर आएंगी। आज इस खास लुक में तारा ब्लैक ड्रेस में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। वह किसी पार्टी को एंजॉय करती दिखाई दे रही हैं।

रॉकस्टार यश

'टॉक्सिक' में साउथ अभिनेता यश 'राया' का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' में यश दोहरी भूमिका (पिता और बेटे) निभा रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ 5 मुख्य अभिनेत्रियां महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी, जिसकी खास झलक आज निर्माताओं ने साझा की है।

सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर की बेबी बंप की तस्वीर, लिखा मजेदार नोट, प्रशंसकों ने दी बधाई

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही मां बनने वाली हैं और इस साल के आखिर में उनकी डिलीवरी होने वाली है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बेबी बंप की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। 39 साल की सामंथा ने इस तस्वीर के साथ एक बहुत ही मजेदार कैप्शन लिखा, जिसने इंटरनेट पर सबका ध्यान खींच लिया है।

सामंथा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने बेबी बंप की एक खास तस्वीर शेयर कर अपने प्रशंसकों को खुश कर दिया है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सामंथा ने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'मेरे सिक्स-पैक एब्स, मैं तुमसे बाद में मिलूंगी।'

उनकी इस बात पर फैंस लगातार प्यार बरसा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में बधाइयों का तांता लग गया है। कुछ हफ्ते पहले ही सामंथा ने अपने पति और मशहूर फिल्म निर्माता राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद की खुशखबरी फैंस के साथ बांटी थी।

काम से छोटा ब्रेक लेंगी सामंथा

अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता के जश्न के दौरान सामंथा ने संकेत दिया था कि वह अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए अभिनय से

कुछ समय का ब्रेक लेंगी। सामंथा ने कहा, 'मा इंटी बंगारम' के बाद, अपनी सेहत की वजह से मुझे थोड़ा ब्रेक लेना होगा। मैं मैट्रनिटी लीव पर रहूंगी। इसके बाद, मैं अपने फैंस के लिए एक और बेहतरीन फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर जरूर वापसी करूंगी।'

सामंथा और राज की शादी

सामंथा और राज की शादी 1 दिसंबर, 2025 को कोयंबटूर के ईशा फाउंडेशन में बेहद निजी तरीके से हुई थी। दोनों ने पहली बार सुपरहिट सीरीज 'द फैमिली मैन 2' में साथ काम किया था। इसके बाद उन्होंने 'सिटाडेलः हनी बनी' और 'मा इंटि बंगारम' जैसी फिल्मों में भी साथ काम किया। सामंथा जल्द ही वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' में नजर आएगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com